R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 181 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 10 जून 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट से दहला खो नागोरियान

» अवैध कारखाने में धमाके से 3 की मौत

जयपुर । राजधानी जयपुर के खो नागोरियान क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। एक आवासीय मकान में संचालित अवैध पटाखा फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लगने के बाद जोरदार विस्फोट हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपने घरों से

बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भयावह था कि विस्फोट के बाद मकान से आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां, सिविल डिफेंस की टीमें, पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया गया और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

घायलों की हालत नाजुक, अस्पतालों में जारी इलाज

जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने हादसे में तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है। वहीं पांच घायलों को उपचार के लिए जयपुरिया अस्पताल और एसएमएस अस्पताल भेजा गया है। चिकित्सकों के अनुसार तीन घायलों को एसएमएस अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती किया गया है, जहां उनकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि ये सभी 50 से 70 प्रतिशत तक झुलस चुके हैं और डॉक्टर उनकी जान बचाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। हादसे के बाद प्रशासन ने आसपास के क्षेत्र को सुरक्षा कारणों से खाली करवाया और लोगों को घटनास्थल से दूर रहने की सलाह दी। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया, लेकिन मलबे में अभी भी तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों को आशंका है कि हादसे में प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ सकती है।

अवैध फैक्ट्री संचालन पर उठे सवाल, जांच शुरू

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस मकान में विस्फोट हुआ, वहां घर के भीतर ही पटाखा निर्माण का कार्य किया जा रहा था। आवासीय क्षेत्र में इस प्रकार का जोखिमपूर्ण कारोबार संचालित होने से प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। जिला प्रशासन ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाया जा रहा है कि पटाखा फैक्ट्री के संचालन के लिए आवश्यक लाइसेंस और सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। साथ ही यह भी जांच की जाएगी कि आवासीय इलाके में विस्फोटक सामग्री का भंडारण किस प्रकार किया जा रहा था। प्रशासन ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर अवैध रूप से संचालित खतरनाक इकाइयों पर कड़ी निगरानी की आवश्यकता को उजागर कर दिया है।

ईरान वार्ता पर अमेरिका आश्वस्त, समझौते की जताई उम्मीद

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी परमाणु एवं सुरक्षा वार्ताओं के बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भरोसा जताया है कि अमेरिका अपने रणनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने की मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा कि ईरान के लोग युद्ध नहीं चाहते और बातचीत के जरिए समाधान की दिशा में सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। वेंस ने उम्मीद जताई कि यदि समझौता होता है तो यह अमेरिकी जनता के लिए बड़ी जीत साबित होगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि करते हुए बताया कि उसके पायलट सुरक्षित हैं और जल्द ही विस्तृत रिपोर्ट जारी की जाएगी। वहीं, अमेरिका ने ओमान की खाड़ी में एक तेल टैंकर के खिलाफ भी कार्रवाई की। अमेरिकी सेना का आरोप है कि जहाज ईरान पर लगाए गए समुद्री प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रहा था। अमेरिकी बलों ने उसकी संचालन क्षमता निष्क्रिय कर दी, जिससे वह ईरान की ओर आगे नहीं बढ़ सका। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, कार्रवाई के दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यह कदम ईरान पर दबाव बढ़ाने की अमेरिकी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कांगो से युगांडा तक फैला इबोला, WHO ने बढ़ाया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अफ्रीका में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप को लेकर गंभीर चिंता जताई है। संगठन के अनुसार, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC) में इबोला संक्रमण तेजी से फैल रहा है और अब इसका असर पड़ोसी देश युगांडा में भी देखने को मिला है। WHO की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, डीआरसी में इबोला का जोखिम स्तर "बहुत अधिक" जबकि युगांडा और उससे सटे देशों के लिए "उच्च" माना गया है। रविवार तक डीआरसी में इबोला के 515 पुष्ट मामले सामने आए हैं, जिनमें 91 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं युगांडा में 19 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें दो लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, युगांडा के सभी मामले डीआरसी में फैले संक्रमण से जुड़े हैं। संक्रमित लोगों के सीमा पार आने और उनके संपर्क में आए लोगों तथा स्वास्थ्यकर्मियों में भी संक्रमण फैलने की पुष्टि हुई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए WHO, अफ्रीका CDC और राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। हाल ही में इबोला तैयारी एवं प्रतिक्रिया योजना शुरू की गई है, जिसके लिए 51.8 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान प्रकोप बुंडिबुग्यो वायरस रोग (BVD) से जुड़ा है, जो इबोला का एक गंभीर रूप है। यह वायरस संक्रमित जानवरों या संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क में आने से फैलता है। विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते रोकथाम और निगरानी बढ़ाना बेहद जरूरी है, ताकि संक्रमण को अन्य देशों में फैलने से रोका जा सके।

संजीव अरोड़ा के ठिकानों पर ED की छापेमारी, केजरीवाल का आरोप- पंजाब के हिंदू व्यापारियों को निशाना बनाया जा रहा

चंडीगढ़। पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजीव अरोड़ा से जुड़े ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई ताजा छापेमारी के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ईडी की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पंजाब के हिंदू व्यापारियों को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है।
केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि "ईडी पार्टी आज फिर पंजाब के हिंदू व्यापारियों पर रेड कर रही है। छोटे-छोटे व्यापारियों को तंग किया जा रहा है।" उन्होंने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, पूरा पंजाब और पंजाब सरकार उनके साथ खड़ी है तथा सभी मिलकर इसका मुकाबला करेंगे।
केजरीवाल के बयान को साझा करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पंजाब के हिंदू व्यापारी राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और 'रंगला पंजाब' के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। मान ने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर व्यापारियों पर राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है, जिसे पंजाब के लोग स्वीकार नहीं करेंगे।
वहीं, ईडी ने मोबाइल फोन बिक्री से जुड़े कथित 100 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले और धन शोधन मामले में मंगलवार को पंजाब और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार जालंधर, लुधियाना, बरेली और नोएडा समेत करीब छह परिसरों पर कार्रवाई की गई। जांच के दायरे में संजीव अरोड़ा से जुड़ी कंपनी 'हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड' और उससे संबंधित व्यक्तियों व संस्थाओं के आवास और कारोबारी कार्यालय शामिल हैं।
गौरतलब है कि 62 वर्षीय संजीव अरोड़ा को पिछले महीने चंडीगढ़ स्थित उनके सरकारी आवास पर हुई छापेमारी के बाद ईडी ने गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। उनकी गिरफ्तारी के बाद पंजाब सरकार ने उनके पास मौजूद विद्युत, उद्योग और वाणिज्य विभाग अन्य मंत्रियों को सौंप दिए थे। मामले की जांच अभी जारी है।

जोजिला सुरंग अंतिम चरण में, जल्द जुड़ेगा कश्मीर-लद्दाख सालभर

लद्दाख। देश की महत्वाकांक्षी जोजिला सुरंग परियोजना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। समुद्र तल से 11,578 फीट की ऊंचाई पर बन रही 13.14 किलोमीटर लंबी यह सुरंग कश्मीर और लद्दाख के बीच हर मौसम में संपर्क सुनिश्चित करेगी। इसके पूरा होने से क्षेत्र में यातायात, पर्यटन और सैन्य आवाजाही को बड़ा लाभ मिलेगा। जोजिला सुरंग के इंजीनियर यूसुफ एस्हागपोर ने बताया कि यह देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सुरंग का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और अब केवल करीब तीन मीटर की खुदाई बाकी है, जिसके बाद औपचारिक ब्लास्टिंग के साथ ब्रेकथ्रू की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि निर्माण के दौरान कई कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम ने सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता के साथ काम पूरा किया है। इंजीनियरों के अनुसार अब तक 11.25 मिलियन से अधिक मैन-आवर बिना किसी बड़े हादसे के पूरे किए गए हैं। सुरंग को लगभग 100 वर्षों तक उपयोग में रहने के हिसाब से डिजाइन किया गया है। ब्रेकथ्रू के बाद वेंटिलेशन, ड्रेनेज सिस्टम और सड़क निर्माण जैसे कार्यों में करीब ढाई से तीन साल का समय लग सकता है। परियोजना से जुड़े इंजीनियर हबीबुल्लाह राथर ने बताया कि माइनस 40 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। कई तकनीकी और मौसम संबंधी बाधाओं के कारण परियोजना में देरी हुई, जिसके चलते अब इसकी समयसीमा जुलाई 2028 तक बढ़ाई गई है। सोनमर्ग के बालटाल और द्रास के मीनामार्ग के बीच बन रही यह सुरंग हिमालयी क्षेत्र में हर मौसम में कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है।

मेजर भार्गव कलिता को मिला शौर्य चक्र

नई दिल्ली । आतंकवाद विरोधी अभियानों में असाधारण साहस, वीरता और नेतृत्व का परिचय देने वाले मेजर भार्गव कलिता को देश के प्रतिष्ठित शांतिकालीन वीरता पुरस्कार शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रीय राइफल्स की 50वीं बटालियन की कुमाऊं रेजिमेंट में तैनात मेजर कलिता ने कई महत्वपूर्ण अभियानों का सफल नेतृत्व किया है। अक्टूबर 2022 से अब तक उन्होंने कई आतंकवाद विरोधी अभियानों में भाग लिया, जिनमें तीन कुख्यात आतंकवादियों को मार गिराया गया और चार ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) को गिरफ्तार किया गया। उनके नेतृत्व और रणनीतिक कौशल ने क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2 दिसंबर 2024 को एक विशेष अभियान के दौरान मेजर कलिता ने एक खूंखार आतंकवादी के खिलाफ सटीक और सुनियोजित ऑपरेशन का नेतृत्व किया। उन्होंने अपनी टीम को रणनीतिक रूप से तैनात कर आतंकवादी के भागने के सभी रास्ते बंद कर दिए। मुठभेड़ के दौरान आतंकवादी ने अंधाधुंध फायरिंग की, लेकिन मेजर कलिता ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए जवाबी कार्रवाई जारी रखी। गंभीर खतरे और लगातार गोलीबारी के बीच उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना आगे बढ़कर आतंकवादी का सामना किया और उसे मार गिराया। बाद में मारा गया आतंकवादी ए++ श्रेणी का घोषित हुआ, जो सात निर्दोष नागरिकों की हत्या और सुरक्षा बलों पर कई हमलों में शामिल था। भारतीय सेना की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप निडर नेतृत्व, असाधारण वीरता और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए मेजर भार्गव कलिता को शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है।

हरदोई में एसडीएम पर हमला, मायावती ने कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

लखनऊ/हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में सरकारी निरीक्षण के दौरान शाहाबाद के एसडीएम सुशील मिश्रा पर हुए जानलेवा हमले को लेकर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकारी निरीक्षण कर रहे एसडीएम पर ईंट-पत्थरों से हमला किया गया, जिसमें वे घायल हो गए। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम जरूरी है, ताकि सरकारी कार्यों में बाधा डालने वाले और अराजक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। घटना शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के परियल गांव की है। जानकारी के अनुसार एसडीएम सुशील मिश्रा राजस्व टीम के साथ गर्रा नदी की बाढ़ से बचाव संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने राशन वितरण में अनियमितताओं की शिकायत की। शिकायत की जांच के लिए टीम कोटेदार की दुकान पर पहुंची, जहां किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और कोटेदार समर्थक कुछ ग्रामीणों ने राजस्व टीम पर पथराव कर दिया। इस दौरान एक पत्थर एसडीएम सुशील मिश्रा के सिर में लग गया, जिससे वे घायल हो गए। उन्हें तुरंत शाहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत अब स्थिर है। पुलिस और प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। क्षेत्राधिकारी आलोक नारायण राज ने बताया कि हमले में शामिल लोगों के खिलाफ तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं जिलाधिकारी अनुनय झा ने कहा कि मामले की जांच के लिए अधिकारियों को मौके पर भेजा गया है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना के बाद प्रशासनिक अधिकारियों की सुरक्षा और प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर बहस तेज हो गई है।

12 साल में वैश्विक मंच पर मजबूत हुई भारत की पहचान

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों को भारत की विदेश नीति के लिए परिवर्तनकारी दौर बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस दौरान भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी अलग पहचान बनाई है। भारत ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज बनकर उभरा है और संकट के समय 'फर्स्ट रेस्पॉन्डर' की भूमिका भी निभाई है। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल सोलर अलायंस, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सीमा पार यूपीआई जैसी पहलों ने भारत की वैश्विक साख को मजबूत किया है। वहीं विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में विदेश मंत्रालय की कार्यशैली में बड़ा बदलाव आया है। पासपोर्ट सेवाएं आसान हुई हैं, विदेशों में नए दूतावास खोले गए हैं और भारतीय नागरिकों व छात्रों के लिए कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि आज भारतीय अधिक आत्मविश्वास और सम्मान के साथ दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं।

गहलोत-पायलट विवाद फिर गरमाया, कांग्रेस खामोश, BJP ने जताई हमदर्दी

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच पुराना विवाद चर्चा में है। गहलोत के हालिया बयान के बाद कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी सुर्खियों में आ गई है। उन्होंने पुराने राजनीतिक घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि परिस्थितियां ऐसी बनाई गईं कि उन्हें बदनाम होना पड़ा। इस बयान के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने चुप्पी साध ली है। प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेताओं ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से परहेज किया। वहीं भाजपा ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि सचिन पायलट को पार्टी में उचित सम्मान नहीं मिल रहा। भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने पायलट को लोकप्रिय और सक्रिय नेता बताते हुए कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा।
हालांकि भाजपा ने पायलट को पार्टी में शामिल होने का कोई निमंत्रण देने से इनकार किया है। बावजूद इसके, गहलोत के बयान के बाद राजस्थान कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गई है।

राम कथा मंच से योगी की चेतावनी, लव जिहाद-लैंड जिहाद पर सख्त संदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव के समापन समारोह में देश, धर्म और सांस्कृतिक मूल्यों को लेकर बड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों में देश के प्रति आस्था और निष्ठा नहीं है तथा जो भारतीय संस्कारों का सम्मान नहीं करते, उनके लिए भारत कोई धर्मशाला नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श पूरे देश को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं। उन्होंने लोगों से रामकथा के संदेशों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। योगी ने कहा कि समाज को तोड़ने वाली शक्तियां जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर विभाजन की कोशिश करती हैं, लेकिन संत समाज हमेशा देश को एकजुट करने का कार्य करता है। अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने 'लव जिहाद', धर्मांतरण और 'लैंड जिहाद' जैसे मुद्दों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नारी सम्मान और सुरक्षा के लिए समाज को जागरूक रहना होगा। साथ ही खाली जमीनों पर अवैध कब्जों और धार्मिक आधार पर जनसंख्या संतुलन बदलने की कोशिशों के खिलाफ सतर्क रहने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2020 में धर्मांतरण रोकने के लिए सख्त कानून लागू किया था, लेकिन इस विषय पर अभी भी व्यापक जनजागरूकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भगवान राम के आदर्शों को अपनाकर ही समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाया जा सकता है। योगी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रतीक था तथा भगवान राम का नाम उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक पूरे देश को जोड़ने की शक्ति रखता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से राम के आदर्शों पर चलने और परिवार तथा समाज में सकारात्मक मूल्यों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

विपक्षी एकता: चुनौती, अवसर और भविष्य की राजनीति

देश की राजनीति में विपक्षी दलों का एक बार फिर साझा मंच पर आना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के बदलते समीकरणों का संकेत भी है। केंद्र और कई राज्यों में लगातार चुनावी पराजय के बाद विपक्षी दलों ने यह महसूस किया है कि बिखरे हुए प्रयासों से सत्ताधारी भाजपा का मुकाबला करना कठिन है। यही कारण है कि वैचारिक और क्षेत्रीय मतभेदों के बावजूद वे एक बार फिर साझा रणनीति बनाने की दिशा में आगे बढ़े हैं। भारतीय जनता पार्टी पिछले एक दशक से अधिक समय से केवल संगठनात्मक मजबूती के कारण ही नहीं, बल्कि एक व्यापक भावनात्मक और वैचारिक आधार के कारण भी जनता का समर्थन प्राप्त करती रही है। राष्ट्रवाद, विकास, कल्याणकारी योजनाएं और मजबूत नेतृत्व की छवि ने उसे एक व्यापक जनाधार प्रदान किया है। विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती इसी जनाधार को चुनौती देने या उसके समानांतर कोई विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करने की है। हाल ही में हुई विपक्षी दलों की बैठक में पांच प्रमुख मुद्दों पर सहमति और अगस्त में फिर से बैठक करने का निर्णय इस बात का संकेत है कि विपक्ष अब दीर्घकालिक रणनीति पर काम करना चाहता है। हालांकि केवल साथ आ जाना पर्याप्त नहीं होगा। विपक्ष को यह भी साबित करना होगा कि उसके पास देश के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर स्पष्ट दृष्टिकोण और ठोस कार्यक्रम हैं। भारत की चुनावी व्यवस्था 'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट' सिद्धांत पर आधारित है, जहां एक वोट का अंतर भी जीत और हार तय कर सकता है। ऐसे में विपक्षी वोटों का बंटवारा अक्सर भाजपा के लिए लाभकारी साबित हुआ है। यदि विपक्ष सीटों के बंटवारे और साझा अभियान में सफल रहता है, तो वह कई राज्यों में मुकाबले को रोचक बना सकता है। फिर भी विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती उसकी आंतरिक राजनीति है। पश्चिम बंगाल, पंजाब, दिल्ली, केरल और कई अन्य राज्यों में विपक्षी दल एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। कांग्रेस को यदि राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन मजबूत करना है तो उसे कई राज्यों में अपने राजनीतिक हितों से समझौता करना पड़ सकता है। अंततः विपक्ष की सफलता केवल भाजपा विरोध पर निर्भर नहीं करेगी। उसे जनता के सामने एक सकारात्मक, भरोसेमंद और व्यवहारिक विकल्प प्रस्तुत करना होगा। भारतीय लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष सत्ता के संतुलन के लिए आवश्यक है, लेकिन उसकी प्रभावशीलता उसकी एकजुटता, विश्वसनीयता और जनसरोकारों से जुड़े एजेंडे पर ही निर्भर करेगी। आने वाले वर्षों में यही तय करेगा कि विपक्षी एकता एक स्थायी राजनीतिक शक्ति बनती है या केवल चुनावी मजबूरी तक सीमित रह जाती है।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर विशेष

मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

ललित गर्ग

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम "खाद्य सुरक्षा विज्ञान की सक्रिय भूमिका" इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है।

राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है...

भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है। इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को

प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं। आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूक नागरिकों को संदिग्ध उत्पादों की शिकायत करनी चाहिए, प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए तथा स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरण अभियान चलाने चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी इस विषय को सामाजिक आंदोलन का रूप देना होगा। भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

त्रिभाषा फार्मूला

डॉ. ओमप्रकाश प्रजापति

समावेशी विकास या फिर मानसिक बोझ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ 2023) के लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 6 से 9 तक त्रिभाषा सूत्र को समग्रता से लागू करने का निर्णय भारत के शैक्षिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में एक बहुत बड़ा कदम है। शिक्षा के क्षेत्र में भाषा केवल संवाद या विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं होती यह ज्ञान, संस्कृति, राष्ट्रीय अस्मिता और मनुष्य की सोचने-समझने की मौलिक क्षमता के विकास का आधार होती है। यही कारण है कि प्रतिष्ठित संस्थाओं और देश के प्रख्यात शिक्षाविदों ने सीबीएसई के इस निर्णय को प्रशंसनीय बताया है। इसके विपरीत महानगरों के कुछ छात्रों और उनके अभिभावकों द्वारा देश की सर्वोच्च अदालत में इस नीति के खिलाफ जनहित याचिका दायर करना और इसे 'मानसिक बोझ' बता देना एक नए वैचारिक टकराव को जन्म देता है। इस स्थिति को समझने के लिए हमें इस विषय के व्यावहारिक, वैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं का गहराई से विश्लेषण करना होगा। दुनिया के मानचित्र पर यदि हम चीन, जापान, रूस, जर्मनी, फ्रांस व ब्राजील जैसे विकसित और विकासशील देशों पर दृष्टि डालेंतो अनुभव होता है कि इन सभी राष्ट्रों ने अपनी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा का पूरा ढांचा अपनी मातृभाषा या अपनी राष्ट्रीय भाषाओं पर ही केंद्रित रखा है। यूनेस्को जैसी वैश्विक संस्था भी लगातार इस बात जोर दे रही है कि बच्चों को उनकी शुरुआती कक्षाओं में मातृभाषा में ही शिक्षा दी जानी चाहिए। जिससे उनकी सोचने और समझने की मौलिक शक्ति का ह्रास नहीं होता। जब दुनिया के विकसित देश अपनी भाषाओं के माध्यम से विज्ञान, तकनीक और चिकित्सा के क्षेत्र में सर्वोच्च मुकाम हासिल कर सकते हैं तो भारत में इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए? एक बड़ा प्रश्न यह भी उठता है कि जब हमारे देश का एक विशिष्ट वर्ग बच्चों पर छोटी उम्र से ही विदेशी भाषाएं सीखने या पूरी शिक्षा विदेशी भाषा के माध्यम से ग्रहण करने का दबाव बनाता है तब उन्हें कोई 'मानसिक बोझ' दिखाई नहीं देता, लेकिन जैसे ही बच्चों को मातृभाषा के साथ-साथ दो अन्य भारतीय भाषाएं सीखने का विकल्प दिया जाता है तो उसे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बताकर न्यायालयों का दरवाजा खटखटाया जाने लगता है। जब कोई छात्र अपने ही देश की किसी दूसरी भाषा को सीखता है तो वह केवल भाषा नहीं सीखता, बल्कि उस राज्य के इतिहास, लोक-साहित्य, परंपराओं और वहां के जनजीवन से जुड़ता है। एक उत्तर भारतीय छात्र का तमिल, तेलुगु, ओड़िया या मराठी सीखनाया एक दक्षिण भारतीय छात्र का हिंदी, संस्कृत या बांग्ला सीखना केवल एक अतिरिक्त विषय पढ़ना नहीं है यह उस पुल का निर्माण करना है जो दिलों को जोड़ता है। यह नीति 'अनेक भाषाएं एक भारत-समृद्ध भारत समर्थ भारत' को चरितार्थ करती है जो भारत को समस्त विश्व में एक नई पहचान देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस 'मानसिक बोझ' के मिथक को यदि आधुनिक भाषा विज्ञान और न्यूरोसाइंस से समझा जाए, तो यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और वैज्ञानिक आधार से परे का कुतर्क साबित होता है। इस गहरी समानता के कारण एक भारतीय छात्र के लिए अपने ही देश की किसी दूसरी क्षेत्रीय या शास्त्रीय भाषा को सीखना किसी बिल्कुल अनजानी विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच, जर्मन को सीखने की तुलना में बहुत आसान सुगम और स्वाभाविक होता है। तीन भाषाओं के अध्ययन को एक 'अतिरिक्त बोझ' के रूप में प्रचारित करना वास्तव में हमारे बच्चों की सीखने की प्राकृतिक और असीम क्षमता को कम आंकने जैसा है। यदि हम भारत के विभिन्न राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्डों को देखें तो पाएंगे कि देश के अधिकांश राज्यों में कक्षा 6 से 10 तक त्रिभाषा सूत्र पहले से ही सफलतापूर्वक और बिना किसी व्यवधान के चल रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण के कई राज्यों के सरकारी और निजी स्कूलों में ग्रामीण और सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्र अंग्रेजी और अपनी राज्य की मुख्य भाषा के साथ-साथ एक अन्य भारतीय भाषा (प्रायः हिंदी संस्कृत या कोई क्षेत्रीय भाषा) का अध्ययन दशकों से कर रहे हैं। इन करोड़ों छात्रों को कभी तीन भाषाएं पढ़ने में कोई कठिनाई या मानसिक तनाव महसूस नहीं हुआ और न ही इससे उनकी शैक्षणिक प्रगति में कोई बाधा आई। अनेक भाषाएं, एक भारत के इसी मूल मंत्र को अपनाकर ही हम एक सांस्कृतिक रूप से सजग मानसिक रूप से सुदृढ़ और दुनिया के सामने आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकते हैं।

(लेखिक हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है?

संकलित

दर्शन

अनुबंध चतुष्टय में 'अधिकारी' को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना।सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, यह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है। वेदांत में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काम्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और उपासनादि कर्म करने से जिसकी बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, उसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गईं शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।

दान की बड़ी महिमा

संकलित

प्रेरणा

एक बार राजा भोज एक जंगल के रास्ते से जा रहे थे। साथ में उनके राजकवि पंडित धनपाल भी थे। रास्ते में एक विशाल बरगद के पेड़ में मधुमक्खियों का एक बहुत बड़ा छत्ता लगा था। जो शहद के भार से गिरने ही वाला था।राजा भोज ने ध्यान से देखा तो पाया कि मधुमक्खियां उस छत्ते से अपने हाथ पैर घिस रही हैं। उन्होंने राजकवि से इसका कारण पूछा। राजकवि बोले- महाराज ! दान की बड़ी महिमा है। शिवि, दधीचि, कर्ण, बलि आदि अनेक दानियों का नाम उनके न रहने के बाद भी चल रहा है। जबकि केवल संचय करने और दान न करने वाले बड़े बड़े राजा महाराजाओं का आज कोई नाम लेने वाला भी नहीं है। इन मधुमक्खियों ने भी आजीवन केवल संचय ही किया है, कभी दान नहीं किया। इसलिए आज अपनी संपत्ति को नष्ट होते देखकर इन्हें दुःख हो रहा है। इसीलिए ये अपने हाथ पैर घिस रही हैं। अतः आवश्यकता से अधिक संचय हमेशा दुःख का कारण होता है। मनुष्य भी जीवन भर संपत्तियों का संचय करता है। संपत्ति संचय के लिए तरह-तरह के पैतरे अपनाता है पर अंततः जब मृत्य आती है तो संचय की गई संपत्ति यही छोड़कर जाना पड़ता है। उस संचित संपत्ति पर परिवार के सदस्यों का हक होता है। इसी जरूरत से ज्यादा संपत्ति के संचय से बचना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर सुरक्षा के लिए जनचेतना जरूरी

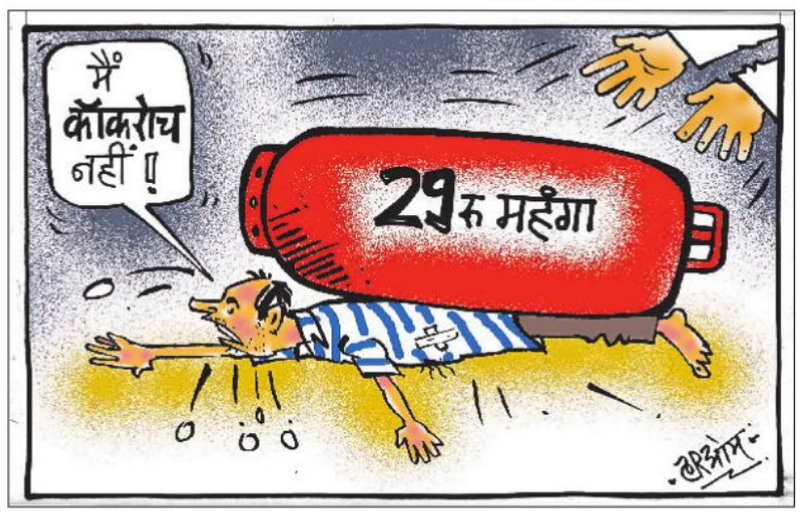

आज हमारे देश में साइबर फ्रॉड के मामले बहुत बढ़ गए हैं। इसके लिए जागरूकता अभियान बहुत जरूरी है। साइबर सुरक्षा के लिए इन बातों पर ध्यान रखना जरूरी है। एसएमएस या व्हाट्सएप पर आए किसी भी अनजान लिंक को न खोलें। किसी को भी ओटीपी या अपने इंटरनेट बैंकिंग की डिटेल न दें। केवाईसी के नाम पर भी साइबर फ्रॉड हो सकता है। इसके लिए बैंक से संपर्क करें। आजकल तो ई-चालान, बिजली बिल भरने के नाम पर धोखाधड़ी के मैसेज आ रहे हैं, इनसे भी सावधान रहें। अपने नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के पासवर्ड और पिन बदलते रहें। हालांकि सरकार ने साइबर धोखाधड़ी से बचने के अनेक उपाय किए हैं, लेकिन समूह समाज को भी सचेत रहना होगा।

- महेश कुलकर्णी, बिलासपुर

ट्रेंड

संविधान पर हमले जारी

संविधान पर हमले जारी हैं। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। आर्थिक माहौल कमजोर है। निवेश अपेक्षित गति से नहीं आ रहा, रोजगार पर असर पड़ रहा है। -**मल्लिकार्जुन खरगे**, अध्यक्ष, कांग्रेस

स्वार्थी भाजपा में जा रहे

साल 2024 में इन सांसदों ने टीएमसी के टिकट पर जीत दर्ज की थी और यह जनादेश एनडीए के लिए नहीं था। पीली पतलून वाले जितने भी लालची और स्वार्थी हैं, वे अब बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। यूसुफ पठान थोड़ी हिम्मत दिखाइए, हमारे जिले ने आपको भारी बहुमत से जिताया है, इसलिए थोड़ी शर्म दिखाइए। -**महुआ मोइत्रा**, सांसद टीएमसी

अवैध शिकार में शामिल

पश्चिम बंगाल चुनाव का (भाजपा प्रभारी के तौर पर) काम देखने वाले केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव 'अवैध शिकार' में शामिल हुए हैं। इन मंत्री का विशेष काम शिकारियों को पकड़वाना और अवैध शिकार को रोकना है, न कि खुद ऐसा करना।
-**जयराम रमेश**, कांग्रेस महासचिव

टीम को मानकों पर परखें

अब समय आ गया है कि टीम को 'बदलाव के दौर' में बताने के बजाय टेस्ट क्रिकेट के मानकों पर परखा जाए। हाल के टेस्ट नतीजों को देखें तो गेंदबाजों ने काम काफी हद तक किया, लेकिन बल्लेबाजों को, अनुशासन व बेहतर तकनीक दिखाने की जरूरत है।
-**सुनील गावस्कर**, पूर्व कप्तान, क्रिकेट

करंट अफेयर

सजा पूर्ण पर बांग्लादेश की जेलों में बंद 150 भारतीय

लगभग 150 भारतीय अपनी जेल की सजा पूरी करने के बावजूद अब भी बांग्लादेश की जेलों में बंद हैं, क्योंकि प्रक्रिया से संबंधित देरी के कारण उनकी स्वदेश वापसी नहीं हो पा रही है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक जेल अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि छह महीने पहले प्रकाशित जेल आंकड़ों के अनुसार, बांग्लादेश की जेलों में 152 विदेशी कैदी बंद हैं, जिनमें 148 भारतीय शामिल हैं। ये सभी अपनी सजा पूरी कर चुके हैं, फिर भी जेल में हैं।अधिकारी ने कहा कि इनमें से कई विदेशी कैदियों ने वर्षों पहले अपनी सजा पूरी कर ली थी, लेकिन पहचान सत्यापन की प्रक्रिया, नौकरशाही से जुड़ीं अड़चनों और राजनयिक स्तर पर निष्क्रियता के कारण इनकी रिहाई और वापसी में देरी हो रही है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में इन भारतीय को अवैध रूप से सीमा पार करने जैसे आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। न्यूज पोर्टल ने खबर दी कि दक्षिण-पश्चिमी शरियतपुर जिला जेल में ही 17 भारतीय कैदी अपनी सजा पूरी करने के बावजूद अब भी बंद हैं। जेल अधिकारियों के अनुसार, उनकी स्वदेश वापसी की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हो सकी है।

ऑफ बीट

औषधीय भांग का इस्तेमाल करने वालों की संख्या बढ़ी

ऑस्ट्रेलिया में चिकित्सक लोगों को पहले से कहीं अधिक औषधीय भांग लेने का परामर्श दे रहे हैं। औषधीय भांग का मतलब कानूनी रूप से निर्धारित भांग उत्पादों से है। ये या तो पौधे ही होते हैं, या पौधे से निकाले गए प्राकृतिक तत्व होते हैं। टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल (टीएचसी) और कैनाबिडियोल (सीबीडी) जैसे तत्वों को कैनाबिनोइड्स कहा जाता है। कुछ कैनाबिनोइड्स प्रयोगशालाओं में भी बनाए जाते हैं और ये पौधे में मौजूद तत्वों की तरह काम करते हैं। औषधीय भांग विभिन्न रूपों में आती है, जैसे तेल, कैप्सूल, सूखे फूल (वाष्पीकरण में इस्तेमाल किए जाने वाले), स्प्रे और खाद्य रूप जैसे 'गमी' आदि। वर्ष 2016 में विनियामक परिवर्तनों के बाद से औषधीय भांग को अधिक सुलभ बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के नियामक ने 7,00,000 से अधिक अनुमोदन जारी किए हैं इनमें से लगभग आधे अनुमोदन ऐसे पुराने दर्द के लिए हैं जो कैंसर के कारण नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में 45 वर्ष या उससे अधिक आयु का पांच में से एक व्यक्ति क्रॉनिक दर्द (पुराने दर्द) से पीड़ित है जिसका लोगों के जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है।

रॉयल पत्रिका

मुख्य सचिव ने योजनाओं की समीक्षा की, समयबद्ध क्रियान्वयन और शिकायत निस्तारण पर दिया जोर

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में सचिवों की समिति (कमेटी ऑफ सेक्रेटरीज) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव और शासन सचिवों ने भाग लिया। इस दौरान राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति, बजटीय प्रावधानों के तहत निधियों के उपयोग तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने विभागों द्वारा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनकल्याणकारी योजनाओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से लागू करना है। बैठक में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक सरल और प्रभावी बनाने पर भी चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने ई-फाइल प्रणाली में अनावश्यक विलंब को समाप्त करने के लिए फाइलों के निस्तारण की प्रक्रिया को और आसान बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने

कहा कि ई-फाइलों को जिन विभिन्न स्तरों से होकर गुजरना पड़ता है, उनकी संख्या कम की जाए ताकि निर्णय प्रक्रिया में तेजी आए और प्रशासनिक कार्यों में दक्षता बढ़ सके। साथ ही लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष ध्यान देने को कहा। मुख्य सचिव ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जैसे जनभागीदारी आधारित कार्यक्रमों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जनजागरूकता और स्थानीय स्तर पर संवाद बढ़ाना बेहद आवश्यक है। बैठक में राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर भी विशेष जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समाधान निर्धारित समय सीमा में किया जाए तथा शिकायत निवारण अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, जिससे लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। उन्होंने विधानसभा सदस्यों द्वारा पूछे गए लंबित प्रश्नों के जवाब शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। बैठक के अंत में मुख्य सचिव ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आपसी सहयोग और संवाद से योजनाओं के बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने डी-रेगुलेशन सेल और राजनिवेश पोर्टल सहित विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना भी की।

ब्रीफ खबरें

देवनानी ने राज्यपाल कटारिया से की शिष्टाचार भेंट

जयपुर/चंडीगढ़। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चंडीगढ़ प्रवास के दौरान पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर देवनानी ने राज्यपाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा राजस्थान विधानसभा का स्मृति चिन्ह प्रदान किया। भेंट के दौरान देवनानी ने राजस्थान विधानसभा भवन के विभिन्न द्वारों के नामकरण की अवधारणा की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रमुख द्वारों को कर्तव्य द्वार, शक्ति द्वार, सुशासन द्वार, संकल्प द्वार और शौर्य द्वार नाम देकर लोकतांत्रिक मूल्यों और जनप्रतिनिधियों के दायित्वों को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाया गया है। वहीं बाहरी द्वारों को ब्रज, शेखावाटी, वागड़, हाड़ौती, मारवाड़, मेवाड़, मेरवाड़ा और ढूंढाड़ जैसे राजस्थान के प्रमुख अंचलों के नाम समर्पित किए गए हैं। राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनभावनाओं और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार नागरिकों में लोकतंत्र के प्रति आत्मीयता और गौरव की भावना को मजबूत करते हैं। बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों, जनसेवा और समसामयिक विषयों पर भी चर्चा हुई। देवनानी ने कटारिया के लंबे सार्वजनिक जीवन और समाज के प्रति उनके योगदान की भी सराहना की।

राजस्थान पुलिस का बड़ा अभियान:

8,448 वाहन चालकों पर कार्रवाई, नियम तोड़ने वालों पर कसा शिकंजा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रदेशभर में व्यापक कार्रवाई की गई। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में अभियान के आठवें दिन 8,448 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त शिकंजा कसा गया।

डीजी ट्रैफिक अनिल पालीवाल के पर्यवेक्षण में संचालित इस अभियान के दौरान पुलिस ने वाहनों पर अवैध संशोधन, काली फिल्म, अनधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, प्रेशर हॉर्न, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट और वाहनों पर लिखे अनाधिकृत शब्दों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (यातायात) डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है।

कार्रवाई के आंकड़ों के अनुसार

सबसे अधिक 3,264 मामले वाहनों पर लगी काली फिल्म से जुड़े पाए गए। इसके अलावा वीआईपी स्टाइल और नियम विरुद्ध नंबर प्लेट लगाने वाले 2,079 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं, गाड़ियों पर पद, जाति या अन्य अनधिकृत शब्द लिखने वाले 1,204 लोगों पर भी पुलिस ने कार्रवाई की। बिना अनुमति वाहन की बॉडी या चेसिस में बदलाव कराने वाले 861 वाहन भी पुलिस के निशाने पर रहे।

अभियान के दौरान अनधिकृत लाल-नीली बत्ती, हूटर और फ्लैशर लगाने के 544 मामले सामने आए, जबकि 496 प्रेशर हॉर्न और एयर हॉर्न जब्त या चालान किए गए। पटाखे जैसी तेज आवाज करने वाली बुलेट मोटरसाइकिलों के खिलाफ भी विशेष कार्रवाई की गई।

जिलावार कार्रवाई में कोटा शहर 572 मामलों के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद अजमेर में 416, बाड़मेर में 340, चित्तौड़गढ़ में 311 और भरतपुर में 309 मामलों में कार्रवाई दर्ज की गई। जयपुर यातायात पुलिस ने 320, जयपुर ग्रामीण पुलिस ने 247 और जोधपुर ट्रैफिक पुलिस ने 180 मामलों में नियम उल्लंघनकर्ताओं पर कार्रवाई की।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने सभी पुलिस इकाइयों को ऐसे अभियान लगातार जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी भी है। राजस्थान पुलिस सुरक्षित और अनुशासित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आगे भी ऐसे अभियान चलाती रहेगी।

वंशिका को न्याय दिलाने के लिए अग्रवाल समाज एकजुट, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग

-अग्रवाल समाज ने मुख्यमंत्री के नाम उपतहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जयपुर/मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रताप नगर निवासी मनीष गर्ग की पुत्री वंशिका गर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले को लेकर अग्रवाल समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। मंगलवार को मनोहरपुर उपतहसील परिसर में अग्रवाल समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम उपतहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच तथा दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान अग्रवाल समाज के जयपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता एवं जयपुर जिला युवा अध्यक्ष संदेश गोयल ने कहा कि वंशिका गर्ग के साथ हुई घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना अत्यंत दुखद, अमानवीय एवं निंदनीय है। समाज इस दुःख की घड़ी में पीड़ित पिता मनीष गर्ग एवं उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है तथा बेटी को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परिवार का मामला नहीं, बल्कि समाज की

बेटियों की सुरक्षा और न्याय से जुड़ा गंभीर विषय है। ऐसे में सभी समाजों के लोगों को एकजुट होकर पीड़ित परिवार का साथ देना चाहिए और न्याय की इस लड़ाई में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए।

समाज के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल एवं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म से मांग की कि मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्वरित जांच कर दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए तथा उनके खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि वंशिका को न्याय मिलना समाज की सामूहिक मांग है और जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती, तब तक समाज की आवाज बुलंद होती रहेगी। इस अवसर पर जयपुर जिला युवा अध्यक्ष संदेश गोयल, मनोहरपुर अग्रवाल समाज अध्यक्ष सुरेश बिलासका, बजरंग बिदारवाल, सुशील गोयल, रमेश चौधरी, कमलेश खोजवाला, किशन जिंदल, रोशन अग्रवाल, सुरेश जैन, शंकरलाल अग्रवाल, वीरेंद्र संघी, सुरेश बंदावला, अशोक गुर्जर, रामेश्वर बुनकर सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

स्वाभिमान बचाओ आंदोलन के तहत कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

जयपुर/मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन राजस्थान के आह्वान पर मंगलवार को प्रदेशभर में "स्वाभिमान बचाओ आंदोलन" के तहत जिला कलेक्टरों एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न मांगों के समाधान की मांग की गई। प्रदेश महामंत्री एवं जयपुर जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम टेलर ने बताया कि कर्मचारियों की लंबित मांगों पर यदि सरकार द्वारा शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक निठारवाल ने कहा कि मांगों की अनदेखी जारी रहने पर 6 जुलाई को मुख्यमंत्री का घेराव किया जाएगा। इसके बाद भी मांगें नहीं मानी गईं तो प्रदेश कार्यकारिणी, जिला अध्यक्षों एवं महामंत्रियों द्वारा जल समाधि आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। इस अवसर पर राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुनील मोदी ने कहा कि यदि सरकार कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान नहीं देती है तो प्रदेश के 122 विभागों के करीब एक लाख कर्मचारी आंदोलन में शामिल होंगे। कर्मचारियों ने पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर को भी ज्ञापन सौंपकर उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में मुकेश मुद्गल, विजय सिंह राजावत, यतीन्द्र, छाजूराम सैन, गजेन्द्र सिंह, तनु वर्मा, रामकिशोर मीणा, निर्भय धाकड़, ओम चौधरी, रामसिंह सहित सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित रहे।

60 करोड़ की जल जीवन मिशन योजना के कार्य आदेश जल्द जारी होंगे - उपेन यादव

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा नेता उपेन यादव ने सोमवार को जयपुर में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग मंत्री कन्हैयालाल चौधरी से मुलाकात कर शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र की पेयजल समस्याओं के समाधान तथा लंबित जल योजनाओं को शीघ्र गति देने की मांग की। उपेन यादव ने मंत्री को बताया कि शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र की 10 ग्राम पंचायतों एवं खेजरोली नगरपालिका के लिए स्वीकृत लगभग 60 करोड़ रुपये की जल जीवन मिशन योजना की निविदाएं (एनआईटी) खुले हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन अब तक कार्य आदेश जारी नहीं किए गए हैं। उन्होंने कार्यों में तेजी लाने और शीघ्र कार्य आदेश जारी कराने का आग्रह किया। इस पर मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने आश्वासन दिया कि जल जीवन मिशन योजना से संबंधित अधिकारियों की बैठक बुलाकर कार्य आदेश जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। इस दौरान उपेन यादव ने शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र की स्थायी पेयजल समस्या के समाधान के लिए

क्षेत्र को ईसरदा-दौसा परियोजना से जोड़ने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से जुड़ने पर क्षेत्र के लोगों को दीर्घकालिक पेयजल राहत मिल सकेगी। मंत्री ने बताया कि शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र को पेयजल परियोजना से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है तथा परियोजना की डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया जारी है। उपेन यादव ने कहा कि शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र को पेयजल परियोजना से जोड़वाने का उनका संकल्प लगातार जारी रहेगा और क्षेत्रवासियों को पर्याप्त एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएंगे।

राजस्थान संपर्क पोर्टल का औचक निरीक्षण, शिकायतों के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वित्त (कर) विभाग के विशिष्ट शासन सचिव नथमल डिडेल ने मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) का औचक निरीक्षण कर आमजन की शिकायतों के निस्तारण की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पोर्टल की कार्यप्रणाली, दर्ज शिकायतों और उनके समाधान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डिडेल ने 'राजस्थान संपर्क स्टेट व्यू' डैशबोर्ड के माध्यम से वित्त विभाग से संबंधित शिकायतों और लोक सेवा गारंटी से जुड़े मामलों का लाइव अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा में सामने आया कि वित्त विभाग से संबंधित अब तक कुल 1,024 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से 913 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है। शेष लंबित मामलों को भी निर्धारित

समय सीमा में निपटाने के निर्देश दिए गए। डिडेल ने कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान ही प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान राजस्थान संपर्क पोर्टल से लाभान्वित हुए कई शिकायतकर्ताओं से भी संवाद किया गया। दिव्यांग लाभार्थी डॉ. नीरज गुप्ता ने बताया कि उन्हें कम्प्यूटेशन और 300 पी.एल. की राशि का भुगतान प्राप्त हो चुका है। उन्होंने इस व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इसी तरह दीनदयाल नामक परिवादी ने भी बकाया भुगतान मिलने पर संतोष जताया। वहीं, ऑनलाइन सूचना का अधिकार (आरटीआई) की प्रथम अपील के त्वरित निस्तारण से संतुष्ट आवेदक आशु ने भी पोर्टल की सराहना की। डिडेल ने टाइमलाइन पेंडेंसी की समीक्षा करते हुए संतोष जताया कि 181 से 365 दिनों से अधिक कोई मामला लंबित नहीं है। उन्होंने जीएसटी चोरी से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए शिकायतकर्ताओं से सीधे बातचीत की और निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। इसके लिए विशेष समिति गठित करने की बात भी कही। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का समाधान केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि धरातल पर दिखाई दे। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही प्रशासनिक व्यवस्था की सफलता का सबसे बड़ा पैमाना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल के तहत राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन को त्वरित राहत पहुंचाने के प्रयास लगातार जारी हैं।

जयपुर में निगम का अतिक्रमण पर बड़ा एक्शन, 12 कैंटर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जेके लॉन, बांगड, चरक भवन, एसएमएस अस्पताल, रिद्धी-सिद्धी चैराहे से मानसरोवर लिंक रोड़, नेमी नगर, वैशाली, त्रिवेणी पुलिया के नीचे एवं सीके बिरला अस्पताल के सामने से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 7 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 12 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जेके लॉन, बांगड, चरक भवन, एसएमएस अस्पताल, रिद्धी-सिद्धी चैराहे से मानसरोवर लिंक रोड़, नेमी नगर, वैशाली, त्रिवेणी पुलिया के नीचे एवं सीके बिरला अस्पताल

के सामने से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 12 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 7 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

नगर पालिका की लापरवाही से जनता परेशान, टूटी नालियां बनी मुसीबत

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे में क्षतिग्रस्त नालियों के निर्माण और मरम्मत कार्य को लेकर नगर पालिका की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। लाखों रुपये का टेंडर जारी होने के बावजूद कई स्थानों पर नालियां तोड़कर छोड़ दी गई हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका द्वारा नालियों की मरम्मत का ठेका दिए जाने के बाद संबंधित ठेकेदार ने विभिन्न मोहल्लों में नालियां तोड़ दीं, लेकिन समय पर उनका पुनर्निर्माण नहीं कराया। इसके चलते सारवान मोहल्ला, महावता का चौक, तोपचिवाड़ा सहित कई क्षेत्रों में आवागमन बाधित हो रहा है। नालियों का पानी सड़कों पर बहने से गंदगी फैल रही है तथा जल निकासी व्यवस्था भी प्रभावित हो गई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि कई स्थानों पर करीब दस दिन पहले नालियां तोड़ी गई थीं, लेकिन अब तक उनका निर्माण पूरा नहीं हुआ। इससे दोपहिया वाहन चालकों और राहगीरों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। सोमवार को लोगों का आक्रोश बढ़ने पर ठेकेदार ने कुछ

स्थानों पर काम शुरू किया, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। वहीं दूसरी ओर, करीब चार माह पूर्व तोपचिवाड़ा स्थित काली तलाई क्षेत्र में निर्मित नई नाली भी जगह-जगह से क्षतिग्रस्त होने लगी है। वार्डवासियों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके कारण नई नाली अल्प समय में ही टूटने लगी। लोगों ने नगर पालिका के कनिष्ठ अभियंता वीरेन्द्र कुमार यादव की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी नहीं होने से ठेकेदार मनमानी कर रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने तथा अधूरे पड़े कार्यों को शीघ्र पूरा कराने की मांग की है।

10 जून को प्रदेशभर के मंदिरों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घायु के लिए होगी विशेष पूजा-अर्चना - श्रवण सिंह बगडी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद के 12 वर्ष अनवरत राष्ट्र सेवा को समर्पित किए। ऐसे में प्रदेशभर में विभिन्न जनसंपर्क एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके तहत 10 जून को राजस्थान के विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा। बगड़ी ने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ जयपुर स्थित झारखण्ड महादेव मंदिर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मोती डूंगरी स्थित गणेश मंदिर और प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार गोविंद देव मंदिर में प्रात: 8 बजे पूजा अर्चना करेंगे। बगडी ने बताया कि इस दौरान पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, विधायक, जिला पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के मंदिरों में पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करेंगे। देश के 140 करोड़ नागरिकों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे प्रधानमंत्री मोदी को ईश्वर दीर्घायु प्रदान करें, इसी भावना के साथ प्रदेशभर में यह पूजा-अर्चना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने बताया कि भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी स्वयं, जिला प्रभारी जयपुर प्रभूलाल सैनी, प्रदेश कार्यालय सचिव मुकेश पारीक गणेश मंदिर मोती डूंगरी में पूजा अर्चना करेंगे। वहीं झारखण्ड महादेव मंदिर में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के साथ प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मंत्री डॉ. अपूर्वा सिंह, गोविंद देव जी मंदिर में प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल, श्रीरामचन्द्र जी का मंदिर बडी चौपड पर प्रदेश महामंत्री डॉ. मिथिलेश गौतम, प्रदेश सह कोषाध्यक्ष डॉ. श्याम अग्रवाल, प्रदेश मंत्री अजीत मांडण, प्रदेश प्रवक्ता स्टेफी चौहान, मदन प्रजापत, जयपुर के ब्रज निधि जी मंदिर में राज्य धरोवर प्राधिकरण बोर्ड अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी, प्रदेश कार्यालय सह सचिव भवानी शंकर शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ, सोशल मीडिया प्रभारी हीरेंद्र कौशिक तथा जयपुर के नहर के गणेश जी मंदिर में प्रदेश मंत्री नारायण मीणा, प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, प्रदेश संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत, जिला प्रभारी जयपुर दक्षिण केडी बाबर पूजा अर्चना करेंगे। जयपुर के अलावा प्रदेशभर में भाजपा पदाधिकारी विभिन्न मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना करेंगे। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं। इन 12 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाया जा रहा है। बगड़ी ने बताया कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इसके साथ ही किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने तथा उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में संगोष्ठियों एवं सेमिनारों का आयोजन किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर चल रहे कार्यक्रम 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस तक जारी रहेंगे। पार्टी के सभी सांसद, विधायक, प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता इन कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभा रहे हैं और जनता के बीच केंद्र सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचा रहे हैं।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

ब्रीफ खबरें

बीदासर तहसील कार्यालय के बाहर धरने पर बैठा बुजुर्ग दंपति

गजराज शर्मा

बीदासर (रॉयल पत्रिका)। तहसील कार्यालय के बाहर मंगलवार को ढाणी कालेरान निवासी बुजुर्ग दंपति अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठ गया। बुजुर्ग इमरता राम धेडु अपनी पत्नी के साथ चिलचिलाती धूप में सुबह से लेकर शाम तक धरने पर डटे रहे। बताया जा रहा है कि इमरता राम अर्दनग्न अवस्था में विरोध दर्ज कराते हुए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। उनका आरोप है कि उनके खेत से तीन स्थानों से रास्ते निकाल गए हैं, जिससे उनकी जमीन प्रभावित हो रही है और उन्हें लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है। बुजुर्ग का कहना है कि इस समस्या को लेकर वे कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। सुनवाई नहीं होने से मजबूर होकर उन्हें धरने का सहारा लेना पड़ा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान कर उन्हें न्याय दिलाया जाए। गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब इमरता राम धेडू अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं। इससे पहले भी वे तहसील कार्यालय और पंचायत समिति कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन मामला अब तक लंबित है।

आबूरोड में IFWJ राजस्थान का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन आयोजित

-पत्रकार हितों एवं संगठन सुदृढ़ीकरण को लेकर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

मोहम्मद यासीन

आबूरोड (रॉयल पत्रिका) । इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (IFWJ) राजस्थान का प्रदेश स्तरीय दो दिवसीय सम्मेलन 6 एवं 7 जून को आबूरोड स्थित ब्रह्मा कुमारीज परिसर में आयोजित किया गया। सम्मेलन की मेजबानी सिरोही जिला इकाई द्वारा अत्यंत उत्कृष्ट एवं सुव्यवस्थित ढंग से की गई, जिसकी प्रतिभागियों द्वारा सराहना की गई। चार सत्रों में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन सत्र सरस्वती पूजन एवं परिचय सत्र के साथ प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्रसिंह राठौड़ ने की। वही संचालन प्रदेश महासचिव मनवीरसिंह चुण्डावत ने किया। इस अवसर पर ब्रह्मा कुमारीज संस्थान के सम्मानित अतिथियों सहित प्रदेश संगठन के पदाधिकारी, सभी जिलाध्यक्ष, महासचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे। अतिथियों एवं वरिष्ठतम पत्रकारों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मध्यान्तर के पश्चात आयोजित द्वितीय सत्र में संगठन को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने तथा पत्रकारों के हितों की रक्षा हेतु आवश्यक कदम उठाने के संबंध में विभिन्न प्रस्ताव आमंत्रित किए गए। जिलाध्यक्षों, संभाग प्रभारियों एवं अन्य प्रतिभागियों द्वारा अनेक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी सुझाव प्रस्तुत किए गए। प्राप्त प्रस्तावों को संकलित कर लगभग 11 पृष्ठों की रिपोर्ट तैयार की गई, जिस पर प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा गहन मंथन एवं विचार-विमर्श कर प्रस्तावों की समरी तैयार की गई तथा ओपन हाउस चर्चा आयोजित की गई।

7 जून को प्रातः आयोजित तृतीय सत्र में संगठन को मजबूत बनाने, पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा एवं पत्रकार कल्याण से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सर्वप्रथम 11 सदस्यीय कोर कमेटी के गठन की घोषणा की गई। समिति के अधिकारों एवं दायित्वों का निर्धारण करते हुए उसे सात दिवस की समय-सीमा में संगठन सुदृढ़ीकरण का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया।

सम्मेलन में लिए गए प्रमुख निर्णय इस प्रकार रहे—

1. 11 सदस्यीय कोर कमेटी का गठन तथा उसके अधिकार एवं दायित्वों का निर्धारण।
2. प्रदेश स्तर पर प्रतिवर्ष वार्षिक समारोह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन, जिसमें सदस्यों को सपरिवार आमंत्रित किया जाएगा तथा विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले सदस्यों के बच्चों का सम्मान किया जाएगा।
3. प्रदेश स्तर पर विधि प्रकोष्ठ की स्थापना तथा प्रत्येक जिले में विधि सलाहकार के रूप में विशेष आमंत्रित सदस्य अधिवक्ता का चयन, जिससे पत्रकारों को आवश्यकता पड़ने पर विधिक सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध हो सके।
4. प्रत्येक जिले में चार सदस्यीय सहायक समिति का गठन, जो संगठन की आर्थिक स्थिति एवं समन्वय संबंधी कार्यों का संचालन करेगी।
5. पत्रकार कल्याण कोष की स्थापना तथा इसके संचालन हेतु पृथक समिति का गठन।
6. संगठन में पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों एवं सदस्यों की सक्रियता एवं दायित्वों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही।
7. प्रदेश के सभी विधानसभा मुख्यालयों पर विधानसभा प्रभारियों के 200 संगठनात्मक पदों का सृजन, जिससे विधायक एवं सांसद स्तर पर पत्रकार सुरक्षा अधिनियम के लिए प्रभावी प्रयास किए जा सकें।
8. जिला एवं उपखंड स्तर पर नियमित मासिक बैठकों का आयोजन।
9. संगठन की मासिक पत्रिका एवं डिजिटल चैनल प्रारम्भ करने की दिशा में एक माह के भीतर कार्यवाही।
10. प्रदेश संगठन का कार्यालय शीघ्र प्रारम्भ किया जाएगा, जिसका संभावित स्थान सी-स्कीम, अशोक मार्ग, जयपुर प्रस्तावित है।
11. पत्रकारों के लिए कार्यकुशलता, विधिक जागरूकता एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण से संबंधित कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने पर विस्तृत चर्चा।

उल्लेखनीय है कि उपर्युक्त महत्वपूर्ण प्रस्तावों में कुछ प्रस्ताव पाली जिलाध्यक्ष अरुण कुमार जोशी के निर्देशन में जिला कोषाध्यक्ष महेन्द्र लखावत द्वारा प्रस्तुत किए गए, जिन्हें सम्मेलन में व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। सम्मेलन के चतुर्थ एवं समापन सत्र में आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए संभाग प्रभारी विक्रमसिंह करनोत, सिरोही जिलाध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम का सम्मान किया गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि अमित जी की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं स्मृति उपहार प्रदान किए गए। साथ ही भामाशाह जीतेन्द्र सिंह एवं ब्रह्मा कुमारीज के मीडिया प्रभारी बीके कोमल भाई का भी सम्मान किया गया। दो दिवसीय सम्मेलन का सफल संचालन प्रदेश महासचिव मनवीरसिंह द्वारा किया गया। सम्मेलन में लिए गए दूरदर्शी, प्रभावी एवं संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णयों को राजस्थान में IFWJ को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना गया। प्रतिभागियों ने विश्वास व्यक्त किया कि ये निर्णय पत्रकार हितों की रक्षा, संगठनात्मक मजबूती तथा राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने में मील का पत्थर सिद्ध होंगे। अंत में उदयपुर संभाग प्रभारी विक्रमसिंह करनोत द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्मेलन का समापन किया गया।

मलिकपुर में 33/11 KV सबस्टेशन (GSS) की स्थापना को मिली प्रशासनिक स्वीकृत

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम मलिकपुर में 33/11 के. वीं सब स्टेशन (जीएसएस) की स्थापना के लिए जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी गई है। रामलाल शर्मा ने कहा कि क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करना और हमारे अन्नदाताओं व ग्रामीणों को बिजली की समस्या से निजात दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। मलिकपुर में नया सब स्टेशन बनने से क्षेत्र के बिजली तंत्र में अभूतपूर्व सुधार होगा। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने इस जनहितैषी निर्णय और त्वरित प्रशासनिक स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर का क्षेत्रवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि मलिकपुर एवं इसके आस-पास के गांवों के उपभोक्ताओं को लंबे समय से चली आ रही लो-वोल्टेज और बार-बार होने वाली ट्रिपिंग की समस्या से स्थाई रूप से छुटकारा मिलेगा, क्षेत्र के अन्नदाताओं को खेती-बाड़ी और सिंचाई कार्यों के लिए पर्याप्त, सुचारू और गुणवत्तापूर्ण थ्री-फेज बिजली उपलब्ध हो सकेगी, जिससे फसलों की पैदावार में मदद मिलेगी तथा बिजली वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, संतुलित और लोड-फ्री बनाने के लिए इस सबस्टेशन के अंतर्गत 3 नए 11 KV आउटगोइंग फीडर भी तैयार किए जाएंगे।

पाँचना बाँध जल वितरण विवाद के स्थायी समाधान एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने हेतु सांसद हरीश चन्द्र मीना ने गृह मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सांसद हरीश चन्द्र मीना ने पाँचना बाँध परियोजना से जुड़े जल वितरण विवाद के स्थायी समाधान तथा पूर्वी राजस्थान में सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर आवश्यक हस्तक्षेप का आग्रह किया है। सांसद ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि करौली, सवाई माधोपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पाँचना बाँध परियोजना से संबंधित जल वितरण, नहर संचालन एवं सिंचाई सुविधाओं को लेकर लंबे समय से विवाद की स्थिति बनी हुई है। यह विषय अब केवल सिंचाई एवं जल प्रबंधन तक सीमित न रहकर किसानों के बीच मतभेद और सामाजिक तनाव का कारण बनता जा रहा है।

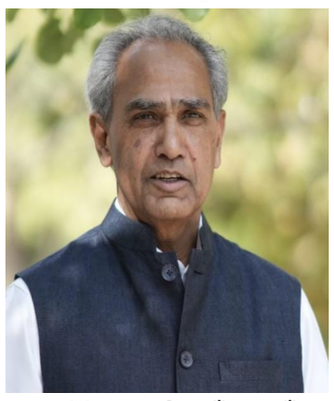

उन्होंने कहा कि पाँचना बाँध एवं उससे जुड़ी नहर प्रणाली का निर्माण किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने तथा कृषि विकास को गति देने के उद्देश्य से किया गया था, जिस पर सरकार द्वारा बड़ी राशि व्यय की जा चुकी है। बावजूद इसके जल वितरण एवं नहर संचालन से जुड़े विभिन्न विवादों के कारण क्षेत्र में असंतोष का माहौल बना हुआ है। सांसद ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर इस विषय में महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं। ऐसे में आवश्यक है कि न्यायालय के आदेशों की पालना सुनिश्चित करते हुए सभी पक्षों, प्रभावित क्षेत्रों एवं समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर तथ्यों एवं तकनीकी अध्ययन के आधार पर सर्वमान्य समाधान निकाला जाए। सांसद महोदय ने गृह मंत्री से आग्रह किया है कि परियोजना से जुड़े लंबित कार्यों एवं नहर प्रणाली की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएँ तथा ऐसा समाधान सुनिश्चित किया जाए जिससे किसानों के हित सुरक्षित रहें, न्यायालय के निर्देशों का सम्मान हो और क्षेत्र में सामाजिक सद्भाव एवं भाईचारा बना रहे।

आईएफडब्ल्यूजे की प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला प्रतिनिधियों का अधिवेशन आबूरोड में सम्पन्न

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (आईएफडब्ल्यूजे) राजस्थान की प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला प्रतिनिधियों का दो दिवसीय अधिवेशन 6 एवं 7 जून को आबूरोड स्थित ब्रह्माकुमारीज परिसर मे संपन्न हुआ। अधिवेशन की मेजबानी सिरोही जिला इकाई द्वारा की गई, जिसकी व्यवस्थाओं की प्रतिभागियों ने सराहना की। बैठक में सवाई माधोपुर से जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में जिला महासचिव राजेश गोयल तथा प्रदेश प्रतिनिधि राजमल जैन ने भाग लिया। अधिवेशन का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं परिचय सत्र से हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह राठौड़ ने की, जबकि संचालन प्रदेश महासचिव मानवीर सिंह चुड़ावत ने किया। अधिवेशन के विभिन्न सत्रों में संगठन को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने, पत्रकारों

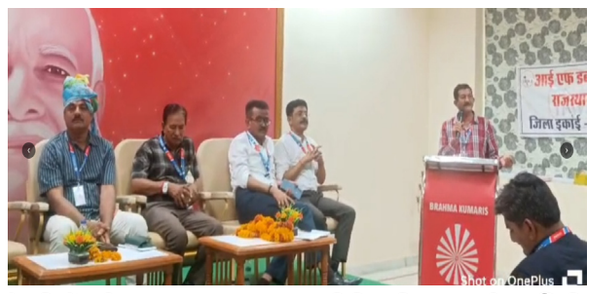

के हितों की रक्षा तथा पत्रकार कल्याण से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई।

सवाई माधोपुर जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया कि जिला अध्यक्षों, संभाग प्रभारियों एवं प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों को संकलित कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई, जिस पर विचार-विमर्श के बाद महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अधिवेशन के दौरान 11 सदस्यीय कोर कमेटी के गठन की घोषणा की गई। समिति को संगठन सुदृढ़ीकरण एवं पत्रकार हितों से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई। समापन सत्र में मुख्य अतिथि अमित भट्ट की उपस्थिति में प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए संभाग प्रभारी विक्रमसिंह करनोत, सिरोही जिला अध्यक्ष अशोक कुमार कुमावत एवं उनकी टीम का सम्मान किया गया। अधिवेशन में लिए गए निर्णयों को संगठन की मजबूती और पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। अंत में संभाग प्रभारी विक्रमसिंह करनोत ने धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया।

घिनोई के दिव्यांग दंपती को पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने भेंट की स्कूटी

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। "नर सेवा ही नारायण सेवा" और अंत्योदय के संकल्प को धरातल पर चरितार्थ करते हुए भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राजस्थान व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने सामाजिक सरोकार की एक और अनूठी मिसाल पेश की है। शर्मा ने ग्राम घिनोई निवासी दिव्यांग दंपती सुशीला देवी और उनके पति मनोज खोज को स्कूटी भेंट कर उन्हें आत्मनिर्भरता का मजबूत संबल प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक रामलाल शर्मा व उपस्थित अतिथियों ने दिव्यांग दंपती का माला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें स्कूटी की चाबी सौंपी। स्कूटी पाकर दिव्यांग दंपती के चेहरों पर खुशी और संतोष के भाव साफ नजर आ रहे थे। इस संबल से अब इस दंपती का जीवन सुगम हो सकेगा और वे पूरे आत्मविश्वास के साथ आत्मनिर्भर होकर आगे बढ़ सकेंगे। कार्यक्रम में भाजपा देहात मंडल कालाडेरा अध्यक्ष लालचंद यादव, ओम जांगिड़ उपाध्यक्ष भाजपा मंडल कालाडेरा, ज्वाला खोज, एकता कंवर सरपंच घिनोई, प्रतिनिधि पंचायत समिति सदस्य, रामगोपाल मीणा पूर्व सरपंच विमलपुरा, सरपंच जनप्रतिनिधि योगेश्वर दास,धर्मेंद्र यादव मंडा, बाबूलाल यादव, प्रहलाद खेरवाल, छोटूलाल कुमावत, नानूराम यादव सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ों की संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत 34 एलएलपी में सड़क निर्माण पर बड़ा विवाद, जांच रिपोर्ट और 181 पोर्टल के जवाब पर उठे सवाल

विनोद सोखल

पदमपुर (श्रीगंगानगर)। पदमपुर पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत 34 एलएलपी के ग्राम 36 एलएलपी में निर्मित इंटरलॉकिंग सड़क को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों की शिकायत पर हुई तकनीकी जांच में सड़क निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने के आरोप लग रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य वित्त आयोग मद के तहत करीब 9.97 लाख रुपये की लागत से मोहनलाल के घर से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तक इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कराया जा रहा था। ग्रामीणों की शिकायत पर पंचायत समिति पदमपुर के कनिष्ठ तकनीकी सहायक एवं सहायक अभियंता ने मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि निर्माणाधीन सड़क का स्तर प्रारंभिक स्थल से लगभग छह इंच ऊंचा पाया गया, जिससे बरसात के समय विद्यालय के पास बने जोहड़ में पानी की निकासी प्रभावित होने की आशंका जताई गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जल संरक्षण और जल निकासी के नियमों के अनुसार सड़क के साथ नाली का निर्माण आवश्यक था, लेकिन मौके पर नाली का कार्य नहीं किया गया। तकनीकी रिपोर्ट के आधार पर 7 नवंबर 2025 को विकास अधिकारी, पंचायत समिति पदमपुर ने संबंधित ग्राम पंचायत को पत्र जारी कर सड़क निर्माण कार्य को आगामी आदेश तक रोकने के निर्देश दिए थे। पत्र में स्पष्ट रूप से तकनीकी रिपोर्ट के अनुसार सड़क का स्तर और

निर्माण कार्य नियमानुसार नहीं होने का उल्लेख किया गया था। अब शिकायतकर्ता का आरोप है कि 181 पोर्टल पर दर्ज शिकायत के जवाब में विकास अधिकारी कार्यालय ने पहले निर्माण कार्य में खामियां स्वीकार करते हुए सुधार के निर्देश देने की बात कही थी, लेकिन बाद में पोर्टल पर दिए गए जवाब में सड़क निर्माण को सही बता दिया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि जब सड़क को न तो उखाड़कर दोबारा बनाया गया और न ही उसका स्तर कम किया गया, तो फिर निर्माण कार्य अचानक सही कैसे हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि जांच रिपोर्ट, निर्माण कार्य रोकने के आदेश और बाद में दिए गए जवाबों में विरोधाभास नजर आ रहा है। इसे लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और लोग पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। शिकायतकर्ता ने जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से मामले की पुनः जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा प्रभावित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

सोशल मीडिया पर समाज का संभलना हुआ मुश्किल

-शादाब अली

आज के दौर में सोशल मीडिया लोगों को जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। विशेषकर व्हाट्सएप ग्रुपों के जरिए समाज के बुजुर्ग, नौजवान और जिम्मेदार लोग एक मंच पर जुड़ते हैं। इन समूहों का उद्देश्य समाज में एकता, भाईचारा, जागरूकता और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना होता है। लेकिन दुखद पहलू यह है कि अब यही मंच कई बार समाज में मतभेद और कटुता का कारण बनते जा रहे हैं। अक्सर देखा जाता है कि किसी एक व्यक्ति द्वारा किसी मुद्दे पर संदेश लिखते ही बहस का सिलसिला शुरू हो जाता है। कुछ लोग बिना पूरी बात समझे प्रतिक्रिया देने लगते हैं और देखते ही देखते चर्चा विवाद में बदल जाती है। फिर न कोई बड़ा दिखाई देता है और न छोटा। अदब, तहज़ीब और आपसी सम्मान की सारी सीमाएँ टूटने लगती हैं। ऐसी बहसों से न समाज का कोई भला होता है और न किसी बिरादरी का, बल्कि नुकसान ही नुकसान होता है। समाज के जिम्मेदार लोग जब वक्फ संपत्तियों, मस्जिदों, मदरसों या अन्य सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होते हैं तो शुरुआत में उम्मीद की किरण दिखाई देती है। लेकिन अफसोस, थोड़े ही समय में आपसी मतभेद उन्हें एक-दूसरे का विरोधी बना देते हैं। बड़े लोग नौजवानों के खिलाफ खड़े हो जाते हैं और नौजवान बुजुर्गों से नाराज दिखाई देते हैं। ऐसे हालात समाज को आगे बढ़ाने के बजाय कमजोर करने का काम करते हैं। सच्चाई यह है कि समाज केवल भाषणों, मंचों और मालाओं से नहीं सुधरता। समाज तब मजबूत होता है जब लोग दिल से एक-दूसरे का सम्मान करें, अपने अहंकार को छोड़ें और खुद को बड़ा साबित करने के बजाय समाज को बड़ा बनाने की सोच रखें। यदि हर व्यक्ति स्वयं को छोटा समझकर समाज की भलाई के लिए काम करे, तभी वास्तविक विकास संभव है। आज जरूरत इस बात की है कि सोशल मीडिया पर केवल बहस और आरोप-प्रत्यारोप करने के बजाय जमीनी स्तर पर समाज को मजबूत करने का प्रयास किया जाए। युवाओं को शिक्षा, रोजगार, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी की ओर प्रेरित किया जाए। समाज की बैठकों को दिखावे और राजनीति से दूर रखकर समाधान और सुधार का माध्यम बनाया जाए। जब जिम्मेदार लोग ईमानदारी और सादगी के साथ समाज के बीच काम करेंगे, तभी लोगों का भरोसा मजबूत होगा। सोशल मीडिया एक ताकत है, लेकिन उसका सही इस्तेमाल ही समाज को संभाल सकता है। यदि इस मंच को आपसी सम्मान, समझदारी और सकारात्मक सोच के साथ उपयोग किया जाए तो यह समाज को नई दिशा दे सकता है, अन्यथा यही माध्यम समाज में दूरियाँ बढ़ाने का कारण भी बन सकता है। समाज को टूटने से बचाना है तो हमें संवाद, संयम और सद्भाव की राह अपनानी होगी। यही वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है।

समाज एकता का महाकुंभ बनेगा अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा आयोजित 21 जून का स्नेह मिलन समारोह

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ भांडारेज-दौसा द्वारा आगामी 21 जून को गोपालगढ़ मंदिर, भांडारेज में आयोजित होने वाले विशाल स्नेह मिलन समारोह को लेकर तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने एवं समाज के प्रत्येक परिवार तक आमंत्रण पहुंचाने के उद्देश्य से महासंघ के पदाधिकारियों ने महवा क्षेत्र सहित आस पास के गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाते हुए पारंपरिक रूप से पीले चावल वितरित कर समाजजनों को आमंत्रित किया। महासंघ के जिलाध्यक्ष दिनेश पाराशर के नेतृत्व में आयोजित इस जनसंपर्क अभियान में पदाधिकारियों ने समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं महिलाओं से संपर्क कर समारोह में अधिकाधिक संख्या में सहभागिता का आह्वान किया। पदाधिकारियों ने बताया कि यह स्नेह

मिलन समारोह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की एकता, संगठन शक्ति एवं सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण मंच होगा। कार्यक्रम आयोजक कर्ता तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश व्यास ने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक समरसता और आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजनों की विशेष आवश्यकता है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होकर इसे ऐतिहासिक बनाने की अपील की। इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री शिव कुमार चौबे, जिला प्रवक्ता राकेश महंत, तहसील संरक्षक ओमप्रकाश पीटीआई, घनश्याम जोशी, प्रदेश महासचिव मोती काका भंडारी, रामकिशोर चांदेरा, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश पाखर, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राजकुमार अवस्थी, जिला महासचिव दिन दयाल कम्पाउन्डर, जिला प्रभारी सतीश शास्त्री, जिलाध्यक्ष मिडिया प्रकोष्ठ रवि कुमार शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष राकेश अवस्थी सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाजजन मौजूद रहे। महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि समारोह में समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा, संगठन विस्तार, प्रतिभा सम्मान एवं सामाजिक सरोकारों से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। कार्यक्रम को लेकर समाज में उत्साह का वातावरण है तथा बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

जसवंतगढ़-आसोटा पंचायतों को नगर परिषद सुजानगढ़ की परिधि से बाहर रखने की मांग को लेकर जयपुर में भाजपा नेतृत्व से मिले क्षेत्रवासी

जसवंतगढ/कुचामन-डीडवाना (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत जसवंतगढ़ एवं ग्राम पंचायत आसोटा को नगर परिषद सुजानगढ़ के मास्टर प्लान 2036 एवं परिधि क्षेत्र में शामिल किए जाने के विरोध में क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर क्षेत्रवासियों की चिंताओं एवं मांगों से अवगत कराया प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार का स्वागत कर उन्हें विस्तार से बताया कि नगर परिषद सुजानगढ़ की परिधि में शामिल किए जाने से क्षेत्र के किसानों, ग्रामीणों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों पर भविष्य में अनावश्यक प्रशासनिक एवं आर्थिक बोझ पड़ सकता है। प्रतिनिधिमंडल ने ग्राम पंचायत जसवंतगढ़ एवं ग्राम पंचायत आसोटा द्वारा पारित सर्वसम्मत प्रस्तावों की प्रतियां भी उन्हें सौंपीं इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, महामंत्री श्रवण सिंह बागड़ी से भी अलग मुलाकात कर क्षेत्र की जनभावनाओं से अवगत कराया गया तथा मुख्यमंत्री तक यह विषय पहुंचाकर उचित कार्रवाई करवाने का आग्रह किया गया प्रतिनिधिमंडल नेताओं को बताया कि जसवंतगढ़ एवं आसोटा क्षेत्र का सामाजिक, प्रशासनिक एवं आर्थिक संबंध तहसील लाडनूं एवं

जिला डीडवाना-कुचामन से है। ऐसे में क्षेत्र को दूसरे जिले और दूसरे सम्भाग की नगर परिषद की परिधि में शामिल किए जाने से ग्रामीणों में व्यापक असंतोष है। साथ ही भविष्य में किसानों पर बढ़ने वाले करों, भूमि उपयोग संबंधी प्रतिबंधों, कन्वर्जन शुल्क तथा अन्य प्रशासनिक जटिलताओं की आशंकाओं को भी विस्तार से रखा गया। इस विषय को आगे बढ़ाने में लाडनूं विधानसभा से भाजपा के नेता और प्रत्याशी ठाकुर करणी सिंह तथा भाजपा नागौर देहात के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वर्तमान प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गजेंद्र सिंह ओडींट का विशेष सहयोग रहा। ठाकुर करणी सिंह द्वारा क्षेत्रवासियों की मांगों के समर्थन में अनुशंसा पत्र भी उपलब्ध करवाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि यह विषय पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व सांसद एवं वर्तमान राजस्थान किसान आयोग अध्यक्ष सी. आर. चौधरी और लोकसभा प्रत्याशी, एवं वर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा के समक्ष भी रखा गया है। दोनों वरिष्ठ नेताओं ने क्षेत्रवासियों को सकारात्मक सहयोग एवं उचित स्तर पर विषय उठाने का आश्वासन दिया है प्रतिनिधिमंडल में सामाजिक कार्यकर्ता पवन कुमार भंडारी, ओमप्रकाश गुर्जर, संपत बोचीवाल, अंजनी कुमार सारस्वत, विकास जयपुरिया, मुकुल इत्यादि शामिल थे प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बताया कि सभी वरिष्ठ नेताओं ने विषय को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि क्षेत्र की जनभावनाओं का सम्मान किया जाएगा तथा जसवंतगढ़ एवं आसोटा क्षेत्र के हितों की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। क्षेत्रवासियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि राज्य सरकार ग्राम पंचायत जसवंतगढ़ एवं ग्राम पंचायत आसोटा द्वारा सर्वसम्मति से पारित प्रस्तावों तथा हजारों ग्रामीणों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए न्यायोचित एवं जनहितकारी निर्णय लेगी।

ब्रीफ खबरें

संभागीय आयुक्त अग्रवाल ने निरीक्षण कर लिया जायजा, दिए निर्देश

बारां (रॉयल पत्रिका)। संभाग कोटा के संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल ने मंगलवार को जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कार्यालय का गहन निरीक्षण किया। जिसमें विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति के बारे में सम्बन्धित शाखा कार्मिकों से संवाद कर योजनाओं के संचालन में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। योजनाओं में एससी, एसटी अत्याचार निवारण योजना (एट्रोसिटी) के तहत बिलों के भुगतान के संबंध में आ रही समस्या व समस्या के निस्तारण, उत्तर मैट्रिक योजनान्तर्गत आवेदनों में आ रही समस्या व समस्या के निस्तारण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के शत-प्रतिशत वार्षिक भौतिक सत्यापन से लंबित आवेदनों का सत्यापन किए जाने, पालनहार व मुख्यमंत्री कन्यादान योजनान्तर्गत लंबित व आक्षेपित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण किए जाने एवं विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं में बजट मांग के लिए जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान संचालित कार्यालय भवन एवं राजकीय अम्बेडकर छात्रावास गजनपुरा के भवन की फिटनेस की तकनीकी जांच के लिए लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया एवं मैन कोटा रोड़ से कार्यालय तक पक्की सड़क निर्माण के लिए नगर परिषद आयुक्त को निर्देशित किया गया। साथ ही कार्यालय में उपस्थित लाभार्थियों से संवाद किया एवं दिव्यांगजनों द्वारा दिए गए परिवाद पर त्वरित कार्यवाही के लिए जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया।

विद्युत विभाग की कार्यवाही आगे जारी

बारां (रॉयल पत्रिका)। जयपुर डिस्कॉम के उपखण्ड कार्यालय सहायक अभियंता, छीपाबड़ौद के अधीनस्थ क्षेत्र मे सहायक अभियंता नीरज कुमार सिंह, कनिष्ठ अभियंता अजय कुमार मीणा, विद्युत चोरी निरोधक थाना बारां व पुलिस थाना छीपाबड़ौद द्वारा मंगलवार को अवैध ट्रांसफार्मर के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए ग्राम खेडी, खेडला जागीर एवं बिन्दाराड़ा से कुल 14 अवैध ट्रांसफार्मर जब्त किए गए है। इसी प्रकार आगे भी अवैध

ट्रांसफार्मर को जब्त करने की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

दौलतपुरा में गूंजा नशा मुक्त समाज का संकल्प

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव एवं जिला पुलिस अधीक्षक हरीशंकर के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत ग्राम पंचायत दौलतपुरा में नशे के खिलाफ पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के विक्रम ज्याणी ने कहा कि आज नशा केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं रहा, बल्कि यह पूरे परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर हमला है। उन्होंने कहा कि जिस घर में नशा प्रवेश कर जाता है, वहां खुशियां, विश्वास और सपने धीरे-धीरे दम तोड़ने लगते हैं। इसलिए नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस या प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जब गांव का हर व्यक्ति यह संकल्प लें कि न तो स्वयं नशा करेगा और न किसी को करने देगा, तब बदलाव निश्चित है। ज्याणी ने कहा कि नशा किसी भी मां की आंखों के आंसू नहीं देखता, किसी पिता की मेहनत नहीं समझता और किसी बहन के सपनों की कीमत नहीं जानता। यह धीरे-धीरे युवाओं की प्रतिभा, परिवारों की खुशियां और समाज की शक्ति को निगल जाता है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों के साथ समय बिताएं, उनसे खुलकर संवाद करें और उनके जीवन में आने वाले बदलावों पर ध्यान दें। मटीलीराठान थाना प्रभारी मुकेश कुमार ने कहा कि आज गांव को नशा मुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। पंचायत में यह संदेश दिया गया कि नशे के खिलाफ लड़ाई तब मजबूत होगी जब हर घर, हर परिवार और हर नागरिक इसकी जिम्मेदारी अपने स्तर पर उठाएगा। यदि परिवार साथ खड़ा हो जाए तो युवा बच जाएगा और यदि समाज एकजुट हो जाए तो आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित हो जाएंगी। सुनील बेरड़ ने कहा हम अपने गांव, अपने बच्चों और अपने भविष्य को नशे से बचाएंगे। समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकता होती है। उन्होंने कहा कि जब लोग किसी अच्छे उद्देश्य के लिए एकजुट होते हैं, तो बदलाव की शुरुआत निश्चित हो जाती है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने नशा न करने और दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की शपथ ली। इस अवसर पर ग्रामीण, युवा, महिलाएं, बुजुर्ग, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरीनगर-रामदेवरा मार्ग प्रकरण: रास्ता खुलवाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना

बीदासर/चूरू (रॉयल पत्रिका)। गजराज शर्मा ग्राम हरीनगर से रामदेवरा जाने वाले मुख्य रास्ते को पुनः खुलवाने तथा राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय के सामने धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि गैर मुमकिन कटाणी रास्ता खसरा संख्या 2160/2001, जो रोही हरीनगर से रामदेवरा तक आवागमन का प्रमुख मार्ग है, उसे सेटलमेंट विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कथित लापरवाही के कारण नए राजस्व नक्शे से हटा दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह रास्ता वर्षों पुराना एवं प्रचलित सार्वजनिक मार्ग है, जिसे बिना उचित प्रक्रिया अपनाए रिकॉर्ड से हटाया जाना आमजन के हितों के विपरीत है। ग्रामीणों के अनुसार अगस्त 2025 में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाकर इस मार्ग को पुनः चालू किया गया था, लेकिन बाद में रिकॉर्ड में रास्ते को अन्य स्थान पर दर्शा दिया गया, जिससे विवाद और भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। आरोप है कि कुछ लोगों ने मूल रास्ते पर अतिक्रमण कर तारबंदी

कर दी है, जिसके कारण ग्रामीणों और किसानों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। किसानों ने बताया कि रास्ता बंद होने से उन्हें अपने खेतों तक पहुंचने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कृषि कार्य, पशुपालन एवं दैनिक आवागमन प्रभावित होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा 11 मई 2026 को तहसीलदार तथा 1 जून 2026 को उपखंड अधिकारी, बीदासर को लिखित शिकायत भी दी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार शिकायत और निवेदन करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। ग्रामीणों ने मांग की कि उक्त रास्ते को पुनः राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए, अतिक्रमण हटाकर मार्ग को तत्काल प्रभाव से खुलवाया जाए तथा दोषी अधिकारियों की भूमिका की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए। धरने में बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ महिलाओं ने भी भाग लिया और प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर जनहित में मार्ग बहाल करने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी धरने पर बैठे मनोज लुणा, चनरी देवी, कौशल्या देवी,निरमा, लिछमा देवी, सपु, सुशीला, बिंदु देवी, कानाराम, गिरधारी, हेतराम, केशवराम राजूराम, जगदीश, सीताराम, पप्पूराम, भलाराम, हीरालाल सोहनलाल, दौलतराम, हरिराम हेतराम सहित अनेक ग्रामीण नगरी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री युवा प्रोत्साहन योजना के लंबित ऋण आवेदनों का 15 दिन में करें निस्तानरण – जिला कलक्टपर

-जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक हुई सम्पयन्नब

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक सोमवार को जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लंबित ऋण आवेदनों के संबंध में अधिकारियों को इन्हें वरीयता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री युवा प्रोत्सातहन योजना में लंबित मामलों पर गहरी नाराजगी जताई और अधिकारियों को अगले 15 दिन में विशेष प्रयास कर अधिकाधिक पात्र लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ा रहे युवा उद्यमियों को नए उद्योग स्थापित करने के लिए विभागीय नियमानुसार प्राथमिकता से ऋण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने गणेशपुरा भील में पायलट प्रोजेक्ट के तहत सभी योजनाओं में पात्र लोगों को ऋण उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए। बैठक में पीएम

किसान निधि के लाभार्थियों को 'घर-घर केसीसी व खेत बचाओ अभियान' के तहत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बांटने और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत जिलेभर में लंबित ऋण आवेदनों को शीघ्र निपटाने पर जोर दिया गया। जिला कलक्टर ने कहा कि कृषि क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं में कृषक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नाबार्ड के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाए।

शत-प्रतिशत हो आधार सीडिंग, डीबीटी से मिले लाभ

मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना तथा प्रधानमंत्री जनधन योजना की समीक्षा करते हुए कलक्टर ने निर्देश दिए कि जनधन के तहत खुले सभी खातों के धारकों का दुर्घटना बीमा अनिवार्य रूप से करवाया जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधार सीडिंग का कार्य शत-प्रतिशत पूरा किया जाएं ताकि सभी लाभार्थियों को योजनाओं का पैसा सीधे उनके बैंक खाते में मिल सके। आरवीटीआर में पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए कलक्टर ने आर-सेटी (RSETI) को निर्देश दिए कि वह बाजार में नई व्यावसायिक गतिविधियों की मांग के अनुसार युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराए। इस अवसर पर जिला कलक्टर द्वारा जिले की 'वार्षिक साख योजना' का विमोचन भी किया गया।

"सहकारिता में सहकार" अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सहकार से समृद्धि योजनान्तर्गत चलाये जा रहे "सहकारिता में सहकार" अभियान अन्तर्गत दी गंगानगर केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड एवं श्रीगंगानगर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन बैंक प्रधान कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में डीडीएम अमरजीत सिंह द्वारा सहकारिता में सहकार की भावना को बल देते हुए सहकारिता के भविष्य पर चर्चा की गई। उप रजिस्ट्रार दीपक कुक्कड़ द्वारा अधिकाधिक डेयरी समितियों व उनके सदस्यों के खाते बैंक में खुलवाये जाने पर चर्चा की गई। डेयरी एमडी उग्रसेन सहारण द्वारा डेयरी समितियों को बैंक मित्र

बनाये जाने पर उन्हें मिलने वाले लाभ से अवगत करवाया गया। बैंक प्रबन्ध निदेशक संजय गर्ग द्वारा डेयरी समितियों को मिलने वाली माईक्रो एटीएम मशीन के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करते हुए गांव में अन्तिम छोर के व्यक्ति को सहकारिता का लाभ मिल सके, इस पर प्रकाश डाला गया। बैंक वरिष्ठ प्रबन्धक पवन कुमार शर्मा द्वारा मंच का संचालन किया गया। कार्यक्रम में गंगमूल डेयरी, मुख्य प्रबन्धक बैंक विकास गर्ग, डेयरी संघ के संचालक सदस्य विनोद कुमार, विभिन्न दुग्ध उत्पादक समितियों से आये प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया।

आधार सेवाओं में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, हर पात्र नागरिक तक पहुंचे सुविधा: जिला कलक्टर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले में आधार नामांकन और आधार अपडेट सेवाओं की समीक्षा के लिए मंगलवार को जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आधार मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आधार सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। जिला कलक्टर ने कहा कि आधार कार्ड आज विभिन्न सरकारी योजनाओं और सेवाओं का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाए कि जिले का कोई भी पात्र नागरिक आधार नामांकन या अपडेट जैसी सेवाओं से वंचित न रहे। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक आधार सेवाएं पहुंचाने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि जिले में डीओआईटी, डाक विभाग, बैंक, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सीएससी केंद्रों के माध्यम से कुल 93 आधार केंद्र संचालित हैं। आधार नामांकन और अपडेट कार्य के लिए 87 मशीनें उपलब्ध हैं, जिनसे आमजन को सुविधाजनक सेवाएं मिल रही हैं। जिला कलक्टर ने सभी आधार केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूलने या किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आधार अपडेट से जुड़े लंबित मामलों की समीक्षा कर जनजागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया। बैठक में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों के आधार नामांकन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक बच्चों का आधार पंजीकरण सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेट के लिए विद्यालयों में विशेष आधार शिविर लगाने की योजना बनाई गई है। जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों को सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और अन्य माध्यमों से आधार अपडेट और नामांकन के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लेकर आधार सेवाओं के विस्तार और सुधार को लेकर अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर कुशतला में औषधीय पौधारोपण एवं पक्षियों के लिए बांधे परिंडे

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय राजकीय आयुर्वेद औषधालय आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष कुशतला में आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत पर्यावरण शुद्धि एवं जीव-दया को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत औषधालय परिसर में व्यापक स्तर पर औषधीय पौधारोपण किया गया, साथ ही भीषण गर्मी के मद्देनजर बेजुबान पक्षियों के लिए पेड़ों पर परिंडे बांधे गए। औषधालय प्रभारी डॉ. विजय शंकर बैरवा ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए उपस्थित ग्रामीणों और स्टाफ को पर्यावरण और आयुर्वेद के अंतर्संबंध के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद का मूल सिद्धांत ही प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर

जीना है। इस तपती गर्मी में जहां पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन और छांव देते हैं, वहीं बेजुबान पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना हम सभी का मानवीय कर्तव्य है। अभियान के तहत औषधालय परिसर में गिलोय, रामतुलसी, श्यामतुलसी, एलोवेरा, पत्थरचट्टा, अपराजिता, हड़जोड़, रजनीगंधा, शतावरी, कांचनार आदि औषधीय पौधे रोपे गए। उपस्थित जनसमुदाय को इन पौधों के औषधीय महत्व, रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) बढ़ाने के तरीकों और मौसमी बीमारियों में इनके घरेलू उपयोग के बारे में जागरूक किया गया। बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी को देखते हुए औषधालय परिसर के छायादार पेड़ों पर मिट्टी के पारंपरिक परिंदे बांधे गए और उनमें पानी भरा गया। इस दौरान कंपाउडर रामजीलाल साहू, दिनेश कुमार वर्मा, मनोज सैन, बुद्धिप्रकाश सैनी,रामपति मीना, रामनिवासी, शांति सहित स्थानीय ग्रामीणों ने इन परिंदों में नियमित रूप से दाना-पानी डालने और पौधों की उचित देखभाल करने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर सभी ने संकल्प करते हुए कुशतला को एक हरित और संवेदनशील आयुष्मान आदर्श ग्राम बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का भरोसा दिया।

रात 8 बजे बाद शराब बिक्री पर आबकारी विभाग का सख्त एक्शन, 21 दुकानों पर कार्रवाई

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए आबकारी विभाग ने रात्रि 8 बजे के बाद मदिरा बिक्री रोकने के उद्देश्य से सख्त कार्रवाई की है। विभाग ने जोधपुर जिले में निर्धारित समय के बाद शराब बेचने और आपातकालीन खिड़कियों अथवा अवैध माध्यमों से बिक्री करने वाले मदिरा विक्रेताओं के खिलाफ अभियान चलाया। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. भवानी सिंह राठौड़ ने बताया कि उच्च न्यायालय द्वारा 22 मई 2026 को जारी निर्देशों के बाद विभाग लगातार निगरानी और कार्रवाई कर रहा है। अब तक रात्रि 8 बजे के बाद शराब बिक्री के मामलों में 18 कार्रवाई

की जा चुकी हैं तथा 8 कम्पोजिट मदिरा दुकानों को निलंबित किया गया है। पिछले तीन दिनों में भी तीन अन्य कम्पोजिट मदिरा दुकानों के खिलाफ मामले दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। इनमें जोधपुर ग्रामीण, जोधपुर शहर और जोधपुर पश्चिम क्षेत्र की दुकानें शामिल हैं, जहां निर्धारित समय के बाद शराब बिक्री की शिकायतें मिली थीं। आबकारी विभाग के अनुसार, उच्च न्यायालय के आदेशों की पालना में अब तक कुल 21 कम्पोजिट मदिरा दुकानों के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि निर्धारित समय के बाद शराब बिक्री पर पूर्ण रोक सुनिश्चित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा। आबकारी विभाग ने सभी लाइसेंसधारकों को न्यायालय के निर्देशों और विभागीय नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी भी दी है।

विशेष जन सुनवाई एवं चौपाल का आयोजन 11 जून को

पाली। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जन समस्याओं के त्वरित समाधान एवं आमजन से संवाद के उद्देश्य से विशेष जन सुनवाई एवं चौपाल कार्यक्रम का आयोजन गुरूवार 11 जून 2026 को किया जाएगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया कि गुरूवार 11 जून 2026 को दो स्थानों पर विशेष जन सुनवाई एवं चौपाल आयोजित होगी। प्रथम कार्यक्रम दोपहर 02 बजे नेतरा (तहसील सुमेरपुर) में आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात दूसरा कार्यक्रम सायं 5 बजे बीसलपुर (तहसील बाली) में आयोजित होगा।

जेनिफर विंगेट

जल्द कर सकती हैं दूसरी शादी

बिजनेसमैन विलियम को कर रही हैं डेट क्रिश्चियन रीति-रिवाज से होंगी रस्में

टीवी एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट जल्द ही दूसरी शादी कर सकती हैं। वे सिंगापुर के बिजनेसमैन विलियम इशमाइल के साथ रिलेशनशिप में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक विलियम ने एक हॉलिडे के दौरान जेनिफर को प्रपोज किया था, जिसके लिए उन्होंने अपनी सहमति दे दी है। हालांकि, जेनिफर या विलियम की तरफ से अभी इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। जेनिफर की शादी की चर्चा तब शुरू हुई जब फैंस ने इंस्टाग्राम पर उनकी कुछ एक्टिविटी नोटिस की। जेनिफर ने सोशल मीडिया पर शादी के एक डांस रील वीडियो पर रिएक्ट किया था। इसके बाद फैंस ने देखा कि उन्होंने इंस्टाग्राम पर शादी से जुड़े कई पेजों को फॉलो करना शुरू कर दिया है। विलियम के प्रपोजल के बाद जेनिफर ने शादी की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। वे वेडिंग वेंडर्स को शॉर्टलिस्ट कर रही हैं और उन्होंने एक मूड बोर्ड भी तैयार किया है। शादी के लिए इस साल सितंबर-अक्टूबर या फिर दिसंबर-जनवरी का समय तय किया जा सकता है। जेनिफर विंगेट की पहली शादी एक्टर करण सिंह ग्रोवर से 2012 में हुई थी, लेकिन यह रिश्ता लंबा नहीं चला और साल 2014 में उनका तलाक हो गया। इसके बाद करण सिंह ग्रोवर ने साल 2016 में फिल्म 'अलोन' में साथ काम करने के बाद एक्ट्रेस बिपाशा बसु से शादी कर ली थी।

मराठी मेरी पहचान है, लेकिन नई भाषाएं सीखना रोमांचित करता है

शरवरी वाघ

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्हें एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला, जो उनकी अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से काफी अलग है, जिसके चलते उन्हें नई भाषा और संस्कृति को समझना पड़ा। अपने इस अनुभव को उन्होंने एक न्यूज एजेंसी संग साझा किया। शरवरी वाघ ने कहा, ''घर में मैं मराठी भाषा बोलती हूं और मेरी परवरिश पूरी तरह मराठी संस्कृति के बीच हुई है। ऐसे में एक पंजाबी महिला का किरदार निभाना मेरे लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव था।'' शरवरी ने कहा, ''भाषाएं हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही हैं। मेरा मानना है कि भारत जैसे देश में कलाकारों के लिए सीखने और समझने के अवसर कभी खत्म नहीं होते। यहां इतनी सारी भाषाएं और संस्कृतियां हैं कि हर नया किरदार किसी नई दुनिया का दरवाजा खोल देता है। एक अभिनेता के लिए सिर्फ डायलॉग बोलना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस भाषा की भावना, उसके लहजे और उससे जुड़ी संस्कृति को समझना भी जरूरी होता है। अभिनेत्री ने कहा, भले ही मैं नई भाषाएं सीखने को लेकर उत्साहित रहती हूं, लेकिन मेरी मातृभाषा मराठी आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। जब भी मुझे किसी सीन के लिए भावनात्मक रूप से खुद को तैयार करना होता है या किसी खास एहसास से जुड़ना होता है, तो मैं अक्सर मराठी गाने सुनती हूं। मराठी भाषा के शब्द मेरे दिल को सबसे गहराई से छूते हैं। शरवरी ने कहा, अपनी जड़ों से जुड़ा रहना और साथ ही नई चीजें सीखना, दोनों ही जरूरी हैं। महाराष्ट्र से होने का एक फायदा यह भी मिला कि मुझे दूसरी भाषाओं को समझने और अपनाने में आसानी हुई। भारत की कई भाषाएं एक-दूसरे से किसी न किसी रूप में जुड़ी हुई हैं। यही वजह है कि नई भाषा सीखने की प्रक्रिया मेरे लिए मुश्किल के बजाय आनंददायक रही। फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' भारत के विभाजन की पृष्ठभूमि में बुनी गई एक प्रेम कहानी है। फिल्म में शरवरी के अलावा दिलजीत दोसांझ और नसीरुद्दीन शाह जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण बिरला स्टूडियो, अप्लॉज एंटरटेनमेंट, मोहित चौधरी और शिबाशीष सरकार की विंडो सीट फिल्म्स ने मिलकर किया है। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कंगना रनौत ने की युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की तारीफ, कहा- 'देश के लिए वर्ल्ड कप लेकर आओ'

भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल की उम्र में इतिहास रचते हुए भारतीय टी20 टीम में जगह बनाई। उनकी इस उपलब्धि पर बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। कंगना ने एक इंटरव्यू के दौरान एक मशहूर गजल के जरिए वैभव सूर्यवंशी को बधाई दी। कंगना रनौत ने कहा, ''इतनी छोटी उम्र में टीम इंडिया में चयन होना बेहद गर्व की बात है। मुझे उम्मीद है कि वैभव आगे चलकर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे महान खिलाड़ियों से भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे और वर्ल्ड कप घर लाएंगे।'' इसी बातचीत के दौरान कंगना ने एक मशहूर गजल की पंक्तियां भी सुनाई- 'ना उम्र की सीमा हो, ना जन्म का हो बंधन...जब प्यार करे कोई, तो देखे केवल मन... नई रीत चलाकर तुम, ये रीत अमर कर दो।' जब कंगना से पूछा कि क्या उन्होंने वैभव सूर्यवंशी को खेलते हुए देखना है, तो उन्होंने कहा, ''काम की व्यस्तता के चलते मुझे क्रिकेट देखने का ज्यादा समय नहीं मिल पाता। मैं हर उभरते हुए युवा खिलाड़ी को शुभकामनाएं देती हूं और चाहती हूं कि वे देश का नाम रोशन करें। मेरा मकसद किसी पर दबाव डालना नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों को प्रेरित करना है ताकि वे अपने खेल में और बेहतर कर सकें।''

कृष 4' बंद होने की खबरों पर राकेश रोशन बोले

फिल्म को लेकर कोई समस्या नहीं, ऋतिक द्वारा रू.500 करोड़ की मांग को गलत बताया

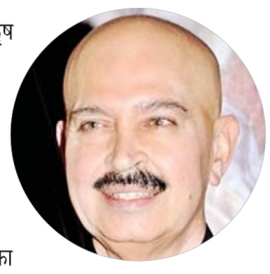

बॉलीवुड के चर्चित प्रोजेक्ट्स में शामिल 'कृष 4' एक बार फिर सुर्खियों में है। पिछले कुछ महीनों से खबरें थीं कि फिल्म के बजट और निर्माण को लेकर ऋतिक रोशन और यशराज फिल्म्स के बीच मतभेद चल रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ऋतिक अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म 'कृष 4' के लिए करीब 500 करोड़ रुपए का बजट चाहते हैं, जबकि आदित्य चोपड़ा इसे 350 करोड़ रुपए के भीतर रखना चाहते हैं। अब इन अटकलों पर फिल्ममेकर राकेश रोशन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऋतिक द्वारा 500 करोड़ रुपए की मांग किए जाने की खबरें पूरी तरह गलत हैं। एक इंटरव्यू में राकेश रोशन ने कहा कि यह कहना गलत है कि ऋतिक ने फिल्म के लिए 500 करोड़ रुपए का बजट मांगा है। उन्होंने इन खबरों को 'नॉनसेंस' यानी बकवास बताया। राकेश के मुताबिक, बड़ी और दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरने वाली फिल्म बनाने में समय लगता है। 'कृष' फ्रेंचाइजी की हर फिल्म को तैयार करने में भी पर्याप्त समय लिया गया था। राकेश रोशन ने स्पष्ट किया कि फिल्म किसी विवाद या मतभेद की वजह से अटकी नहीं है। उन्होंने कहा कि 'कृष 4' पर काम जारी है और फिल्म को लेकर कोई समस्या नहीं है। उनके मुताबिक, फिलहाल ऋतिक अपने दूसरे प्रोफेशनल कमिटमेंट्स और प्रोडक्शन हाउस के काम में व्यस्त हैं। इसलिए तारीखों को लेकर इंतजार करना पड़ रहा है।

छोटे पर्दे की 'शोमैन' एकता कपूर

टैलेंट पहचानने से ट्रेंड बनाने तक

तीन दशक से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर राज

भारतीय टेलीविजन की बात हो और एकता कपूर का नाम न आए, ऐसा शायद ही कभी हो। पिछले तीन दशकों में अगर किसी एक शख्स ने छोटे पर्दे की दुनिया को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, तो वह हैं एकता कपूर। उन्हें यूं ही 'कंटेंट क्वीन' नहीं कहा जाता। उन्होंने सिर्फ टीवी शो नहीं बनाए, बल्कि ऐसे किरदार, कहानियां और ट्रेंड्स गढ़े जो लोगों की जिंदगी और बातचीत का हिस्सा बन गए। उन्होंने भारतीय दर्शकों की नब्ज को जिस तरह समझा, उसने उन्हें बाकी निर्माताओं से अलग खड़ा कर दिया। उनकी कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने भारतीय टेलीविजन को ऐसे शो दिए, जिन्होंने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और घर-घर में अपनी पहचान बनाई। एकता कपूर के धारावाहिकों के किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानने लगे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण था 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिहिर विरानी की मौत। यह सिर्फ एक कहानी का मोड़ नहीं था, बल्कि एक राष्ट्रीय घटना बन गई थी। दर्शकों ने विरोध किया, भावुक हुए और आखिरकार शो के निर्माताओं को मिहिर को वापस लाना पड़ा। यह भारतीय टेलीविजन के इतिहास के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गया। इसी तरह 'कसौटी जिंदगी की' की कोमोलिका को कौन भूल सकता है? उर्वशी ढोलकिया का यह किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं था, बल्कि एक पॉप कल्चर आइकॉन बन गया। एकता कपूर ने सिर्फ ड्रामा नहीं रचा, बल्कि ट्रेंड भी बनाए। 'कुटुंब' और 'कहीं तो होगा' जैसे शोज ने रोमांस को नए अंदाज में पेश किया। ऑफिस रोमांस की कहानियों ने युवाओं के बीच एक नया क्रेज पैदा किया। वहीं 'नागिन' के जरिए उन्होंने सुपरनेचुरल फिक्शन को मुख्यधारा में ला खड़ा किया। मौनी रॉय का इच्छाधारी नागिन वाला किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि यह शो भारतीय टेलीविजन की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में शामिल हो गया। एकता कपूर की सफलता सिर्फ उनके शोज तक सीमित नहीं है। उन्हें इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन 'टैलेंट स्पॉटर' भी माना जाता है। उन्होंने कई ऐसे कलाकारों को मौका दिया, जो आगे चलकर बड़े सितारे बने। विद्या बालन को शुरुआती पहचान 'हम पांच' से मिली। आज वही विद्या भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को भी घर-घर तक पहुंचाने का श्रेय काफी हद तक एकता कपूर को जाता है। 'पवित्र रिश्ता' के मानव के रूप में उन्होंने करोड़ों दर्शकों का दिल जीता और यहीं से उनके फिल्मी करियर की मजबूत नींव पड़ी। इसी तरह मौनी रॉय, प्राची देसाई, अनीता हसनंदानी, राधिका मदान और कई अन्य कलाकारों को भी एकता कपूर के मंच से पहचान मिली। यही वजह है कि इंडस्ट्री में उन्हें सिर्फ निर्माता नहीं, बल्कि 'स्टारमेकर' भी कहा जाता है। उनकी मेहनत और योगदान को देश-दुनिया में कई बड़े सम्मान मिले हैं। पद्म श्री के साथ ही एकता कपूर को बिजनेस, मीडिया और मनोरंजन जगत के कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

डेजी शाह

की नई फिल्म में दिखेगा वर्दी वाला अंदाज

अभिनेत्री डेजी शाह जल्द ही अपनी नई फिल्म 'डीजीपी कश्मीर' में एक आईपीएस अधिकारी के दमदार किरदार में नजर आएंगी। इम्तियाज भट्ट के निर्देशन में बन रही यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और कश्मीर में तैनात सुरक्षाकर्मियों के साहस, समर्पण और बलिदान की कहानियों को बड़े पर्दे पर पेश करेगी। फिल्म का उद्देश्य उन गुमनाम नायकों को सम्मान देना है, जिन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में देश की सेवा की है। अपने किरदार को लेकर डेजी शाह ने कहा कि यह उनके करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक है। उन्होंने बताया, मैंने पहले पर्दे पर एक पुलिसकर्मी की भूमिका निभाई है, लेकिन पहली बार एक आईपीएस अधिकारी का किरदार निभाने जा रही हूं। यह मेरे लिए एक नया अनुभव और बड़ी जिम्मेदारी है। डेजी का मानना है कि इस किरदार के जरिए उन्हें एक मजबूत और प्रेरणादायक व्यक्तित्व को पर्दे पर जीवंत करने का अवसर मिला है। फिल्म की तैयारी के लिए डेजी विशेष एक्शन ट्रेनिंग भी ले रही हैं। राष्ट्रीय स्तर की शूटर रह चुकीं अभिनेत्री अपने इसी अनुभव का उपयोग फिल्म के एक्शन दृश्यों में कर रही हैं। जुलाई से शुरू होने वाली इस फिल्म की शूटिंग को लेकर निर्देशक इम्तियाज भट्ट भी उत्साहित हैं। कश्मीर में पले-बढ़े भट्ट का कहना है कि वह दर्शकों तक उन सच्ची कहानियों की भावनात्मक और मानवीय ताकत पहुंचाना चाहते हैं, जिन्हें अक्सर दुनिया नहीं देख पाती। वहीं डेजी को उम्मीद है कि उनका अभिनय इन बहादुर सुरक्षाकर्मियों की कहानियों को पूरी ईमानदारी और सम्मान के साथ दर्शकों तक पहुंचाएगा।

(साभार एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया-बांग्लादेश सीरीज से ट्रैविस हेड और मिचेल मार्श बाहर

हेड छुट्टियों पर, मार्श को टखने की चोट; ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी इंग्लिस करेंगे

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। स्टार ओपनर ट्रैविस हेड को आईपीएल के लंबे सीजन के बाद पर्सनल लीव दी गई है, जबकि कप्तान मिचेल मार्श टखने की चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर रहेंगे। वह अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाए हैं, इसलिए वनडे मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। मार्श की अनुपस्थिति में जोश इंग्लिस टीम की कप्तानी संभालेंगे। वह इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम का नेतृत्व कर चुके हैं। लेग स्पिनर तनवीर संघा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण दौरे से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की लिमिटेड ओवर (वनडे) टीम में शामिल किया गया है।

हेड के वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए लिया गया फैसला

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सिलेक्टर्स ट्रैविस हेड के वर्कलोड को लेकर गंभीर हैं। हेड तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया के मुख्य ओपनर हैं और अगले 12 महीनों में टीम का शेड्यूल व्यस्त है। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए प्लेऑफ मैच खेलने के कारण वह पाकिस्तान दौरे का हिस्सा नहीं बन पाए थे।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सिलेक्टर्स ट्रैविस हेड के वर्कलोड को लेकर गंभीर हैं। हेड तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया के मुख्य ओपनर हैं और अगले 12 महीनों में टीम का शेड्यूल व्यस्त है। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए प्लेऑफ मैच खेलने के कारण वह पाकिस्तान दौरे का हिस्सा नहीं बन पाए थे। उन्हें पहले बांग्लादेश दौरे की वनडे और टी-20 दोनों टीमों में चुना गया था, लेकिन अब आराम दिया गया है। टी-20 टीम में उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान अभी बाकी है। नेशनल सेलेक्टर टोनी डोडेमाइड ने कहा,ट्रैविस को शुरुआत में दोनों सीरीज के लिए चुना गया था, लेकिन बाद में उन्हें पर्सनल लीव दे दी गई है।

वैभव सूर्यवंशी पर फिदा कंगना

बोलीं- 'वर्ल्ड कप लेकर आओ यार'

पटना (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को भारतीय क्रिकेट टीम में चयन के बाद दुनिया भर से तारीफ मिल रही है। अब बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी वैभव की जमकर तारीफ की। उन्होंने वैभव से वर्ल्ड कप की डिमांड कर दी है। कंगना ने कहा कि, 'हमारे पास क्रिकेट देखने का टाइम नहीं होता है, लेकिन मैं क्रिकेट में इस यंग मैन को बेस्ट विशेज देती हूं। वह भी सचिन और विराट की तरह अच्छा करें। उस पर प्रेशर नहीं है, मगर वर्ल्ड कप लेकर आओ यार।'बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी वैभव की जमकर तारीफ की।

वैभव सूर्यवंशी को उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए: गांगुली – दूसरी ओर पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भारत के लिए डेब्यू की दहलीज पर खड़े स्टार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर कहा कि, 'मेरा मानना है कि हमें उसे उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए। वह अभी महज 15 साल का है और मुझे नहीं लगता कि वह दबाव की ज्यादा परवाह करेगा। आईपीएल में भी हमने यही देखा है।'

वैभव को संभलकर खेलना होगा – गांगुली आगे कहा कि, 'निश्चित रूप से भारत के लिए खेलना अलग बात है। वह ऐसे दौरे पर जाएगा, जहां विकेट थोड़े अलग होंगे। वहां गेंद अधिक सीम करेगी, उछाल ज्यादा होगा और नई गेंद से अधिक मूवमेंट मिलेगा। इसलिए खेल थोड़ा अलग होगा, लेकिन मुझे लगता है कि उसमें अपार प्रतिभा है। इसलिए उसे समय दीजिए।

वैभव सूर्यवंशी का सिलेक्शन इंडियन टीम में हुआ – बिहार के वैभव सूर्यवंशी का सिलेक्शन इंडियन टीम में हो गया है। वह इंडियन क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वैभव ने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पुरुष क्रिकेटर्स में सचिन तेंदुलकर 16 साल, 194 दिन की उम्र में भारतीय टीम में चुने गए थे। वहीं, वैभव 15 साल 71 दिन में चुने गए हैं।

ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने वैभव – वैभव को ऑरेंज कैप मिला है। वह ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने महज 15 साल और 65 दिन की उम्र में यह उपलब्धि अपने नाम की है। 16 मैचों में उन्होंने 776 रन बनाए हैं, जो इस सीजन किसी भी बल्लेबाज के सबसे ज्यादा रन हैं। इस बीच उन्होंने एक शतक और 5 अर्धशतक भी अपने नाम किए हैं। वैभव ने साई सुदर्शन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। साई सुदर्शन आईपीएल 2025 में ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। उन्होंने ये उपलब्धि 23 साल 237 दिन की उम्र में हासिल की थी।

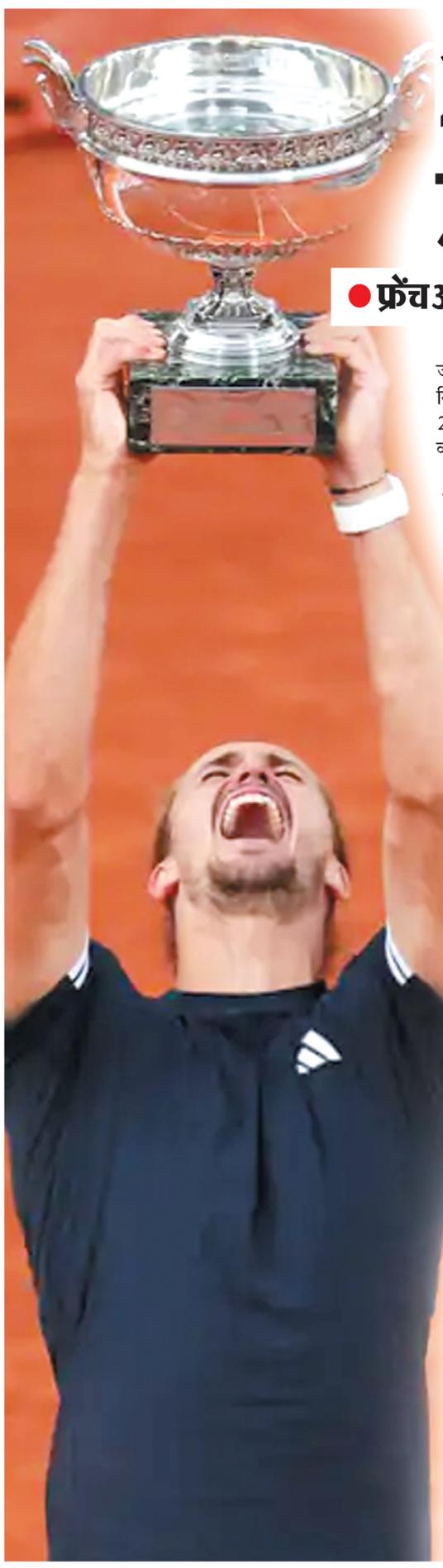

29 साल के ज्वेरेव ने जीता पहला ग्रैंड स्लैम

● फ्रेंच ओपन के फाइनल में कोबोली को हराया, पांच सेट तक चला मुकाबला

पेरिस(एजेंसी)। जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया है। उन्होंने फ्रेंच ओपन 2026 के फाइनल में इटली के फ्लेवियो कोबोली को हराया।

पेरिस में खेले गए मेंस सिंगल्स फाइनल में दूसरी सीड ज्वेरेव ने दसवीं वरीयता प्राप्त फ्लेवियो को पांच सेटों में 6-1, 4-6, 6-4, 6-7, 6-1 से हराया। 29 साल के ज्वेरेव 11 साल से ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में खेल रहे हैं। इससे पहले वे ग्रैंड स्लैम में तीन बार फाइनल में और सात बार सेमीफाइनल में हार चुके थे।

फ्रेंच ओपन के अलावा, ऑस्ट्रेलियन ओपन, विम्बलडन और यूएस ओपन को ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट कहा जाता है।

टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड जीते थे

ज्वेरेव ने मास्टर्स 1000 इवेंट्स के साथ दो एटीपी फाइल्स भी जीते हैं। टोक्यो में ज्वेरेव ने ओलिंपिक गोल्ड भी जीता था लेकिन उनके खाते में ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं था। इससे पहले 2020 यूएस ओपन, 2024 फ्रेंच ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलिया ओपन का खिताबी मुकाबला वह हार चुके थे।

6-1 से एक तरफा जीत दर्ज की

ज्वेरेव ने मैच की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में करते हुए पहला सेट आसानी से 6-1 से जीत लिया। इसके बाद कोबोली ने वापसी की और दूसरा सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। ज्वेरेव ने फिर तीसरा सेट 6-4 से जीता, लेकिन कोबोली ने चौथे सेट को टाई-ब्रेकर में 7-6(5) से जीतकर मुकाबले को पांचवें सेट में पहुंचा दिया। अंतिम सेट में ज्वेरेव ने एक बार फिर 6-1 से एकतरफा जीत दर्ज की।

89 साल बाद कोई जर्मन मेंस खिलाड़ी चैंपियन बना

ज्वेरेव फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाले 89 साल के बाद पहले जर्मन मेंस खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले 1937 में जर्मनी के हेनर हेन्केल ने यह टूर्नामेंट जीता था। वहीं, किसी भी ग्रैंड स्लैम सिंगल्स का खिताब जीतने वाले आखिरी जर्मन मेंस खिलाड़ी बोरिस बेकर थे, जिन्होंने 1996 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था।

कौन हैं उपविजेता फ्लेवियो कोबोली

फ्रेंच ओपन 2026 के फाइनल में पहुंचे फ्लेवियो कोबोली इटली के उभरते हुए टेनिस खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। 24 साल के कोबोली पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे थे। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने कई मजबूत खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया।

● मानव-सुंदर के आगे अफगानिस्तान ने घुटने टेके

एक पारी और 300 रनों से भारत जीता

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत ने महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए एकमात्र टेस्ट मुकाबले में अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से रौंदा। पहली पारी में 152 रनों पर सिमटने के बाद अफगानिस्तान को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। दूसरी इनिंग में मेहमान टीम का हाल और बेहाल रहा और पूरी टीम 112 रन बनाकर सिमट गई। दूसरी पारी में फॉलोऑन खेलने उतरी अफगानिस्तान को सेदिकुल्लाह अटल और अब्दुल मलिक ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। अब्दुल 8 रन बनाकर आउट हुए, तो अटल 80 गेंदों में 42 रन बनाने के बाद वॉशिंगटन सुंदर का शिकार बने। गुरबाज दूसरी पारी में भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 24 रन बनाकर आउट हुए। पहली पारी में अर्धशतक लगाने वाले रहमत शाह दूसरी इनिंग में 13 रन ही बना सके। कप्तान शाहिदी 5 रन ही बना सके, तो अजमतुल्लाह उमरजई 4 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

विकेटकीपर-बल्लेबाज अफसर जजई 8 रन बनाकर आउट हुए, तो खरोटी सिर्फ 6 रन ही बना सके। मोहम्मद सलीम बिना खाता खोले आउट हुए और अशरफ चोटिल होने की वजह

अफगानिस्तान ने 39 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए थे

भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत द्वारा बनाए गए 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान की पूरी टीम पहली पारी में 152 रन बनाकर सिमट गई। मानव सुथार विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के लिए अबूझ पहेली साबित हुए। टेस्ट के तीसरे दिन अफगानिस्तान ने 113 पर 5 विकेट के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और टीम ने अपने अगले 5 विकेट 39 रन जोड़कर गंवा दिए। अफगानिस्तान की तरफ से सिर्फ रहमत शाह ही भारतीय गेंदबाजों का टिककर सामना कर सके और उन्होंने 60 रनों की पारी खेली। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका। तीसरे दिन की शुरुआत अफगानिस्तान के लिए अच्छी नहीं रही और अजमतुल्लाह उमरजई बिना खाता खोले प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए।

राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स

राही सरनोबत ने जीता 25 मीटर पिस्टल टी4 फाइनल, मनु भाकर दूसरे स्थान पर

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज स्थित त्रिशूल शूटिंग रेंज में आयोजित ग्रुप-ए राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए राष्ट्रीय चयन ट्रायल-4 में पूर्व एशियाई खेल चैंपियन राही सरनोबत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टी4 फाइनल प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। राही ने पूरे मुकाबले में नियंत्रण बनाए रखा और 37 हिट्स के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

मनु भाकर ने जीता रजत पदक – दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने 35 हिट्स के साथ दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक जीता। वहीं कर्नाटक की दिव्या टी.एस. 29 हिट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहीं और कांस्य पदक अपने नाम किया। फाइनल में तमिलनाडु की निवेदिता वी. नायर चौथे और ओलंपियन रिदम सांगवान पांचवें स्थान पर रहीं।

क्वालिफिकेशन में चिंकी यादव थीं सबसे आगे – क्वालिफिकेशन राउंड में मध्य प्रदेश की चिंकी यादव ने 586-22 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया था, लेकिन फाइनल में वह लय बरकरार नहीं रख सकीं और आठवें स्थान पर रहीं। मनु भाकर ने 584-16 के स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि पंजाब की अर्शदीप कौर और राही सरनोबत ने क्रमशः 579-20× और 579-18× स्कोर किए।

राष्ट्रीय रैंकिंग में ईशा सिंह बरकरार नंबर-1 – विश्व रिकॉर्डधारी और आईएसएसएफ वर्ल्ड कप म्यूनिख 2026 की स्वर्ण पदक विजेता ईशा सिंह इस ट्रायल में हिस्सा नहीं लेने के बावजूद राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बनी हुई हैं। मनु भाकर दूसरे स्थान पर कायम हैं, जबकि राही सरनोबत तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। दिव्या टी.एस. चौथे और रिदम सांगवान पांचवें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के फीफा वर्ल्ड कप बेस कैंप के पास गोलीबारी, 9 लोग घायल

कैनसस सिटी (मिसौरी) (एजेंसी)। इंग्लैंड के कैनसस सिटी स्थित मिसौरी में फीफा वर्ल्ड कप 2026 बेस कैंप के पास गोलीबारी में 9 लोग घायल हो गए। यह घटना नॉर्थ अमेरिका में टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले हुई। 48 देशों के इस टूर्नामेंट में यूनाइटेड स्टेट्स, कनाडा और मैक्सिको में 104 मैचों में 1,248 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। कैनसस सिटी पुलिस ने पुष्टि की कि सभी 9 घायलों को ऐसी चोटें आई जिनसे उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। घायलों में से कम से कम तीन को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। अधिकारियों ने कहा कि जांच जारी है और अभी तक किसी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है। यह घटना स्वोप सॉकर विलेज से लगभग चार मील दूर हुई, जो वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड का बेस कैंप है। इंग्लैंड की टीम अभी कैनसस सिटी नहीं पहुंची है और बुधवार को ऑरलैंडो, फ्लोरिडा में टूर्नामेंट से पहले कोस्टा रिका के साथ एक फ्रेंडली मैच खेलने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड फुटबॉल एसोसिएशन के एक प्रवक्ता ने इस घटना पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया ओपन

सिंधू की निगाह खिताब पर, पुरुष वर्ग में आयुष करेंगे अगुवाई

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उभरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है। सिंधू को यहां अनुकूल ड्रॉ मिला है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का पहला मैच पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका सामना हमवतन इशारानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिंधू पिछले सप्ताह इंडोनेशिया ओपन में राउंड-ऑफ-16 में पहुंची थी जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था।

अगर सिंधू सेमीफाइनल तक पहुंचती है तो वहां उनका सामना जापान की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से हो सकता है। फाइनल में उनका मुकाबला थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से हो सकता है। महिला एकल ड्रॉ में ही तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त चियू पिन-चियान से, जबकि मालविका बंसोड़ का मुकाबला मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा।

इजराइल-ईरान ने एक दूसरे पर जवाबी हमले किए, पश्चिम एशिया में बड़े युद्ध का खतरा

» दुबई, भाषा।

इजराइल और ईरान ने सोमवार तड़के एक-दूसरे पर जवाबी हमले किए, जिससे पूरे पश्चिम एशिया में एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध छिड़ने का खतरा मंडराने लगा। वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने भी यरुशलम पर हमला किया और लाल सागर में इजराइल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की चेतावनी दी, जिससे तनाव और बढ़ गया। इजराइल ने सोमवार तड़के तेहरान के सिलसिलेवार मिसाइल हमलों के जवाब में ईरान के मध्य और पश्चिमी हिस्सों को निशाना बनाया। पलटवार करते हुए ईरान ने फिर से इजराइल पर हमले किए।

आठ अप्रैल को संघर्षविराम लागू होने के बाद यह दोनों देशों के बीच अब तक की सबसे गंभीर सैन्य झड़प है। वायु रक्षा प्रणाली द्वारा ईरान की मिसाइलों को नष्ट किए जाने के दौरान मध्य इजराइल में धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। ईरान के एक अधिकारी ने सोमवार को चेतावनी दी कि इजराइल की ओर से पश्चिम एशिया में अगर तनाव बढ़ाया जाता है तो इसके जो भी परिणाम होंगे, उनके लिए अमेरिका जिम्मेदार होगा। ईरान के विदेश मंत्रालय के

प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को तेहरान में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, कोई भी इस पर विश्वास नहीं करता कि इजराइली शासन अमेरिका के समन्वय के बिना कोई कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा, इजराइली शासन की आक्रामकता के लिए अमेरिका जिम्मेदार है और तनाव में किसी भी तरह की वृद्धि के परिणामों के लिए भी वही जिम्मेदार होगा। ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि उसने इजराइल के दो सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया और इन हमलों को विजय अभियान का हिस्सा बताया। इसने कहा कि इजराइल द्वारा ईरान के तीन इलाकों में रडार ठिकानों पर हमले के बाद यह मिसाइलें दागी गई। दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम को बचाए रखने के लिए सोमवार को गहन कूटनीतिक प्रयास जारी रहे। अधिकारियों के अनुसार, मिस्र, सऊदी अरब, तुर्किए, पाकिस्तान और कतर के प्रतिनिधियों ने ट्रंप प्रशासन से आग्रह किया है कि वह इजराइल पर दबाव डाले ताकि वह ईरान और बेरूत पर अपने हमले सीमित करे। साथ ही, उन्होंने ईरानी अधिकारियों से भी इजराइल पर हमले रोकने की अपील की है। ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता प्रयासों में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान की अगुवाई वाले मध्यस्थ रविवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर इजराइल के हमले से बेहद खफा हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ, जब पाकिस्तान के गृह मंत्री अमेरिका-ईरान वार्ता को आगे बढ़ाने के नए प्रयास के तहत तेहरान में मौजूद रहे। जवाबी हमलों की हलिया घटना पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, इजराइल और ईरान को तुरंत हमले बंद कर देने चाहिए।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के किसी भी परिणाम के लिए अमेरिका जिम्मेदार होगा : ईरानी अधिकारी

दुबई। ईरान के एक अधिकारी ने सोमवार को चेतावनी दी कि इजराइल की ओर से पश्चिम एशिया में अगर तनाव बढ़ाया जाता है तो इसके जो भी परिणाम होंगे उनके लिए अमेरिका जिम्मेदार होगा। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को तेहरान में पत्रकारों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। बघाई ने कहा, कोई भी इस पर विश्वास नहीं करता कि इजराइली शासन अमेरिका के समन्वय के बिना कोई कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा, इजराइली शासन की आक्रामकता के लिए अमेरिका जिम्मेदार है और तनाव में किसी भी तरह की वृद्धि के परिणामों के लिए भी वही जिम्मेदार होगा।

इजराइल ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को कहा

दुबई, भाषा। इजराइल की सेना ने सोमवार को अपने नागरिकों को चेतावनी दी कि ईरान ने देश को निशाना बनाते हुए फिर से मिसाइलें दागी हैं। सेना ने नागरिकों से सतर्क रहने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की। सेना ने लोगों से तुरंत सुरक्षित जगहों पर शरण लेने की अपील की। ईरान की ओर से पहले किए गए हवाई हमलों के जवाब में इजराइल ने सोमवार तड़के तेहरान पर मिसाइलें दागीं थीं। इसके बाद ईरान ने फिर से नए सिरे से हमला किया। आठ अप्रैल को हुए युद्धविराम के बाद दोनों देशों के बीच यह अब तक की सबसे गंभीर सैन्य झड़प मानी जा रही है, जिसने क्षेत्र में फिर से व्यापक संघर्ष की आशंकाओं को बढ़ा दिया है।

ट्रंप ने नेतन्याहू से ईरान पर हमला न करने को कहा, शांति समझौते के बहुत करीब होने का दावा किया

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों का जवाब न देने का आग्रह किया और कहा कि इससे तीन महीने से जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए शांति समझौते की बातचीत खतरे में पड़ जाएगी। अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने अपनी खबर में कहा कि रविवार को ईरान द्वारा इजराइल पर मिसाइलें दागे जाने के बाद, ट्रंप ने नेतन्याहू से बात की ताकि दोनों देशों के बीच नए सिरे से तनाव पैदा होने से शांति समझौते पर असर न पड़े। ट्रंप ने ईरान से भी बातचीत की मेज पर लौटने का आग्रह किया। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा, हम समझौते के बेहद करीब हैं। मेरा मानना है कि इस सप्ताह सोमवार, मंगलवार या बुधवार को समझौता हो जाएगा। इस बीच यह घटना हो गई। ट्रंप ने ईरान द्वारा इजराइल पर किए गए हमलों का जिक्र करते हुए कहा, आपने अपनी मिसाइलें दाग दीं, बस बहुत हो गया। बातचीत की मेज पर वापस आइए और समझौता कीजिए। ट्रंप ने एक्सियोस से कहा, ईरान के हमलों से किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। उम्मीद है कि इजराइल जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। उन्होंने कहा, अगर बिबी ने पलटवार किया, तो हालात वैसे ही होते जाएंगे।

आक्रामक अभियानों को रोक रहे हैं : ईरानी सेना

दुबई, भाषा। ईरानी सेना की संयुक्त कमान ने सोमवार को कहा कि वह अपने आक्रामक अभियानों को रोक रही है। ईरान की ओर से यह घोषणा दो महीने पहले अमेरिका द्वारा तेहरान के साथ युद्धविराम समझौता किए जाने के बाद से पहली बार इजराइल के साथ हुए संघर्ष के बाद की गई। इजराइल-ईरान के बीच ताजा संघर्ष से पश्चिम एशिया में एक बार फिर पूर्ण युद्ध शुरू होने का खतरा पैदा हो गया था। संयुक्त कमान ने कहा कि यदि इजराइल या उसके समर्थक दक्षिणी लेबनान सहित किसी भी तरह की आक्रामक और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई करते हैं, तो पहले की तुलना में कहीं अधिक कठोर और दमनकारी उपाय किए जाएंगे।

भारत और चीन को एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि सहयोगी और साझेदार के रूप में देखना चाहिए : चीन

» बीजिंग, भाषा।

चीन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि भारत और चीन को एक-दूसरे को प्रतिस्पर्धी या प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि सहयोगी और साझेदार के रूप में देखना चाहिए और दोनों देशों को यह समझना चाहिए कि वे एक-दूसरे के विकास और तरक्की के लिए अवसर हैं, न कि खतरा। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने चीन-भारत संबंधों पर की गईं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की टिप्पणियों और दोनों देशों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने के लिए रूस के प्रयासों के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए यहां संवादादाता सम्मेलन में यह बात कही। पुतिन ने बृहस्पतिवार को पीटीआई समेत दुनिया की प्रमुख समाचार एजेंसियों के प्रमुखों के साथ हुई बातचीत के दौरान वे टिप्पणियां की थीं।

लिन ने कहा कि फिलहाल चीन-भारत सीमा पर स्थिति सामान्य रूप से स्थिर है और दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन को एक-दूसरे को प्रतिस्पर्धी या प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि सहयोगी और साझेदार के रूप में देखना चाहिए और दोनों देशों को यह समझना चाहिए कि वे एक-दूसरे के विकास और तरक्की के लिए अवसर हैं, न कि खतरा। उन्होंने कहा कि चीन और भारत को इस सोच पर कायम रहना चाहिए कि दोनों देश प्रतिस्पर्धी या प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि सहयोगी साझेदार हैं और दोनों देश एक-दूसरे के विकास के लिए अवसर हैं, न कि खतरा। पीटीआई समेत दुनिया की प्रमुख समाचार एजेंसियों के प्रमुखों के साथ व्यापक बातचीत के दौरान पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग, दोनों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के साथ रूस की दशकों पुरानी साझेदारी स्वाभाविक रूप से विकसित हुई हैं और पूरी तरह एक-दूसरे से स्वतंत्र हैं। पीटीआई के सीईओ और प्रधान संपादक विजय जोशी के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए पुतिन ने कहा, भारत और चीन के बीच संबंध संवेदनशील और कई पहलुओं पर आधारित हैं, इसलिए उनमें हस्तक्षेप करना उचित नहीं है। निश्चित रूप से, हम अपने दोनों मित्रों भारत और चीन के साथ संवाद बनाए रखते हैं। पुतिन ने कहा,राष्ट्रपति शी और प्रधानमंत्री मोदी दोनों ही आपसी हितों से जुड़े सभी मुद्दों को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं, जिनमें सीमा विवाद भी शामिल है।

यूक्रेन ने रूस और क्रीमिया के तेल ठिकानों को निशाना बनाया

कीव, भाषा। यूक्रेन की सेना ने रूस और उसके कब्जे वाले यूक्रेनियाई इलाकों में स्थित तेल ठिकानों को निशाना बनाया। यूक्रेन और रूस के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यूक्रेन ने रूस को युद्ध की आर्थिक कीमत चुकाने के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत इन हमलों को अंजाम दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेनाओं ने सोमवार की सुबह तक मॉस्को क्षेत्र, पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी रूस, उसके नियंत्रण वाले क्रीमिया और काला सागर और आज़ोव सागर इलाके में यूक्रेन की ओर से किए गए 310 ड्रोन हमलों को नाकाम कर दिया। यूक्रेन की वायु सेना के मुताबिक रूस ने उसपर 155 ड्रोन हमले किए जिनमें से 124 को नाकाम कर दिया गया। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने कहा कियूक्रेन की सेना ने रविवार रात रूस के क्रास्नोदार क्राई क्षेत्र पर हमला किया। उन्होंने बताया कि यह हमला नोवोरोस्सियस्क के पास स्थित युशोवाया तेल परिवहन अड्डे किया गया, जो दक्षिणी रूस में तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के सबसे बड़े

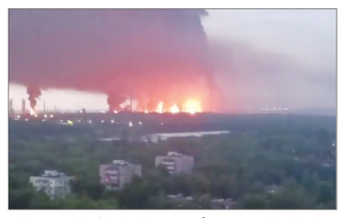

परिवहन केंद्रों में से एक है। रूस के क्षेत्रीय अधिकारियों ने पुष्टि की कियूक्रेन के एक ड्रोन हमले से तेल सुविधा केंद्र में आग लग गई। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। अधिकारियों ने नुकसान को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन कहा कि आग बुझाने के कार्य में 130 बचावकर्मियों और 39 उपकरणों को लगाया गया है। यूक्रेन ने दावा किया कि रविवार रात को रूसी कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप में स्थित सेमिकोलोडेजकाया तेल अड्डे पर भी हमले किए, जिससे वहां आग लग गई। यूक्रेन की ओर से टेलीग्राम पर पोस्ट किए गए बयान के अनुसार, इस अड्डे का उपयोग रूसी सेना को ईंधन की आपूर्ति करने के लिए किया जाता है।

पाकिस्तान की मानवाधिकार संस्था ने पीओके में हिंसा पर चिंता जताई

लाहौर, भाषा। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने सोमवार को कहा कि वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी हिंसा को लेकर चिंतित है, जहां हिंसक झड़पों में चार पुलिस अधिकारियों समेत 11 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों घायल हो गए। एचआरसीपी ने स्थानीय सरकार के उस फैसले पर आपत्ति जताई, जिसके तहत ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) को आतंकवाद-रोधी कानून के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया है। अधिकारियों ने जन व्यवस्था और सुरक्षा का हवाला देते हुए शुक्रवार को जेएएसी पर प्रतिबंध लगा दिया था। आयुक्त सरदार वाहीद खान के मुताबिक, पीओके के रावलाकोट में रविवार को पुलिस और जेएएसी प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में कम से कम सात नागरिक और चार पुलिसकर्मी मारे गए। उन्होंने बताया कि झड़प से पहले और बाद में 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, हिंसा की शुरुआत तब हुई, जब एक व्यापारी की मौत को लेकर तनाव भड़क उठा, जिसे कथित तौर पर शुक्रवार रात कानून प्रवर्तन कर्मियों के साथ टकराव में गोली मार दी गई थी। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि रविवार को प्रदर्शनकारियों ने रावलाकोट के सैन्य अस्पताल पर हमला किया।

न्यूज ब्रीफ

सजा पूरी होने के बावजूद बांग्लादेश की जेलों में बंद हैं लगभग 150 भारतीय

» ढाका, भाषा।

लगभग 150 भारतीय अपनी जेल की सजा पूरी करने के बावजूद अब भी बांग्लादेश की जेलों में बंद हैं, क्योंकि प्रक्रिया से संबंधित देरी के कारण उनकी स्वदेश वापसी नहीं हो पा रही है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक जेल अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि छह महीने पहले प्रकाशित जेल आंकड़ों के अनुसार, बांग्लादेश की जेलों में 152 विदेशी कैदी बंद हैं, जिनमें 148 भारतीय शामिल हैं। ए सभी अपनी सजा पूरी कर चुके हैं, फिर भी जेल में हैं। अधिकारी ने कहा कि इनमें से कई विदेशी कैदियों ने वर्षों पहले अपनी सजा पूरी कर ली थी, लेकिन पहचान सत्यापन की प्रक्रिया, नौकरशाही से जुड़ीं अड़चनों और राजनयिक स्तर पर निष्क्रियता के कारण इनकी रिहाई और वापसी में देरी हो रही है।

उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में इन भारतीय को अवैध रूप से सीमा पार करने जैसे आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। समाचार पोर्टल बीडीन्यूज24 ने सोमवार को खबर दी कि दक्षिण-पश्चिमी शरियतपुर जिला जेल में ही 17 भारतीय कैदी अपनी सजा पूरी करने के बावजूद अब भी बंद हैं। जेल अधिकारियों के अनुसार, उनकी स्वदेश वापसी की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन कैदियों की पहचान का सत्यापन नहीं हो पाया है और भारतीय दूतावास से कई बार संपर्क करने के प्रयासों का भी कोई जवाब नहीं मिला। जेलर पापिया सुल्ताना ने बताया कि 2022 और 2023 में पद्मा ब्रिज के पास अलग-अलग समय पर 20 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया था और बाद में अदालत के आदेश पर उन्हें जेल भेज दिया गया।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में लक्षित अभियानों में 27 आतंकवादी मारे गए

» पेशावर, भाषा।

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने पिछले 72 घंटों में उत्तरी वज़ीरिस्तान में कई अभियानों में फ़ितना अल-ख्वारिज से जुड़े 27 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने रविवार को यह जानकारी दी। अंतर-सेवा जनसंपर्क (आईएसपीआर) के अनुसार, सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के मीर अली और मीरानशाह क्षेत्रों में कई आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। आईएसपीआर ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों के साथ भीषण गोलीबारी में 27 आतंकवादी मारे गए। एक बयान में कहा गया कि घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए।

सेना ने कहा कि इस अभियान के जरिए मीरानशाह के प्रमुख स्थानीय व्यक्ति शहीद मलिक सैफुल्लाह दावर की लक्षित हत्या का बदला भी लिया गया। आईएसपीआर ने कहा कि इलाके में छिपे आतंकवादियों को ढेर करने के लिए तलाश अभियान जारी है। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बल और कानून प्रवर्तन एजेंसियां अज्म-ए-इस्तेहकाम अभियान के तहत कार्रवाई जारी रखेंगी, जो पाकिस्तान में अन्य देशों द्वारा प्रायोजित आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के देश के संकल्प की पुष्टि करता है।

जून के मध्य में चीन की यात्रा पर जाएंगे नेपाल के विदेश मंत्री खनाल

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल मध्य जून में चीन की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। उनके कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह उनके पदभार संभालने के बाद चीन की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। विदेश मंत्री सचिवालय ने पुष्टि की है कि खनाल 15 से 16 जून तक दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर चीन जाएंगे।

हालांकि, विदेश मंत्रालय ने अभी तक यात्रा की आधिकारिक तिथियों या अन्य विवरणों की घोषणा नहीं की है। यात्रा के दौरान उनके चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय विभाग के प्रमुख लियू हाइजिंग तथा चीनी विदेश मंत्री वांग ई के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की संभावना है।

चिनफिंग, किम ने चीन और उत्तर कोरिया के बीच संबंध और मजबूत होने की उम्मीद जताई

» सियोल, भाषा।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण शिखर वार्ता के दौरान द्विपक्षीय सहयोग को प्रगाढ़ बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों के बीच वार्ता इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि चिनफिंग ने सात साल बाद उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग का दौरा किया है। माना जा रहा है कि चीन अपने पड़ोसी देश उत्तर कोरिया पर प्रभाव और बढ़ाना चाहता है। सोमवार को प्योंगयांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने पर चिनफिंग का भव्य स्वागत किया गया। पत्नी पेंग लियुआन के साथ पहुंचे चिनफिंग का स्वागत उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और उनकी पत्नी री सोल जू ने किया। बाद में चिनफिंग प्योंगयांग के मुख्य चौक पहुंचे, जहां सैन्य बलों और हजारों लोगों ने उनका स्वागत किया।

चिनफिंग और किम ने मजबूत संबंधों की उम्मीद जताई है। सोमवार को हुई शिखर वार्ता में चिनफिंग ने कहा कि चीन व्यापार, कृषि, निर्माण और प्रौद्योगिकी समेत कई क्षेत्रों में उत्तर कोरिया के साथ सहयोग बढ़ाने को तैयार है। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, चिनफिंग ने कहा कि दोनों देशों को रणनीतिक सहयोग मजबूत करना चाहिए और अपनी संप्रभुता तथा सुरक्षा हितों की दृढ़ता से रक्षा करनी चाहिए। किम ने कहा कि

चिनफिंग की यह यात्रा स्पष्ट रूप से दिखाती है कि चीन और उत्तर कोरिया के संबंध कितने मजबूत और अटूट हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की मित्रता को और मजबूत बनाना उत्तर कोरिया की अपरिवर्तनीय रणनीति है। बैठक का पूरा विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इस बैठक का प्रभाव केवल दोनों देशों के संबंधों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ेगा। दोनों देश अमेरिका के साथ अलग-अलग तनावों का सामना कर रहे हैं और अपनी पारंपरिक साझेदारी को पूरी तरह बहाल करना चाहते हैं। चिनफिंग और किम की पिछली मुलाकात सितंबर में बीजिंग में हुई थी, जब उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य विदेशी नेताओं के साथ एक सैन्य परेड देखी थी। उत्तर कोरिया पर प्रभाव अमेरिका के साथ बातचीत में चीन की मदद कर सकता है

शी चिनफिंग ने किम जोंग उन को अटूट समर्थन देने का वादा किया

बीजिंग, भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को अपने दीर्घकालिक सहयोगी उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को अटूट समर्थन का आश्वासन दिया। चिनफिंग, उत्तर कोरिया के दो दिवसीय दौरे पर हैं। चिनफिंग की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई, जब किम ने हाल के वर्षों में रूस के साथ अपने संबंधों को और मजबूत किया है। रूस और उत्तर कोरिया के बढ़ती घनिष्ठता से माना जा रहा है कि चीन काफी असहज है। चीन के राष्ट्रपति की 2019 के बाद उत्तर कोरिया की यह पहली यात्रा है और इस वर्ष यह उनकी पहली विदेश यात्रा भी है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, शी ने किम से कहा, अंतरराष्ट्रीय स्थिति में चाहे जो भी बदलाव आए चीन और उत्तर कोरिया के बीच पारंपरिक मित्रता को अत्यधिक महत्व देने के संबंध में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और सरकार का दृढ़ रुख नहीं बदलेगा। चिनफिंग ने कहा, कॉमरेड किम जोंग-उन के नेतृत्व में उत्तर कोरिया के समाजवादी उद्देश्य के प्रति अटूट समर्थन में कोई बदलाव नहीं आएगा। चीन और उत्तर कोरिया दोनों के साझा हितों और अनुकूल रणनीतिक वातावरण की रक्षा करने के दृढ़ संकल्प में भी कोई बदलाव नहीं आएगा।

भारतीय राजदूत ने अमेरिका के वरिष्ठ आतंकवाद-रोधी अधिकारी से मुलाकात की

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने अमेरिका के वरिष्ठ आतंकवाद रोधी अधिकारी सेबेस्टियन गोर्का के साथ बैठक की और दुनिया भर में आतंकवाद से उत्पन्न खतरों पर चर्चा की। क्वात्रा ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा,

राष्ट्रपति के उप सहायक और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में आतंकवाद रोधी मामलों के वरिष्ठ निदेशक सेबेस्टियन गोर्का के साथ सार्थक बातचीत हुई। क्वात्रा ने कहा, हमने आतंकवाद के खतरों पर अपने विचार साझा किए और भारत-अमेरिका के फरवरी 2025 के संयुक्त वक्तव्य में उल्लिखित आतंकवाद रोधी सहयोग पर भी चर्चा की। पिछले साल फरवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात की पुष्टि की थी कि आतंकवाद के वैश्विक अभिशाप से लड़ना होगा और दुनिया के हर कोने से आतंकवादी पनाहगाहों को खत्म करना होगा। वाशिंगटन में 13 फरवरी, 2025 को मोदी और ट्रंप की मुलाकात के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, उन्होंने अल-कायदा, आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा सहित अन्य आतंकवादी संगठनों से उत्पन्न खतरों के खिलाफ सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई ताकि 26।11 को मुंबई में हुए हमले और 26 अगस्त, 2021 को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रवेश द्वार एबे गेट पर हुई बम विस्फोट जैसी जघन्य घटनाओं को रोका जा सके। अमेरिका ने 2008 के मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की भी घोषणा की थी। ट्रंप और मोदी ने पाकिस्तान से 26।11 और 2016 के पठानकोट हवाई अड्डे पर हुए हमले के दोषियों को जल्द से जल्द न्याय के कठघरे में लाने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया था कि उसकी धरती का इस्तेमाल सीमा पार आतंकवाद को अंजाम देने के लिए न किया जाए।

इंडोनेशिया और पलाऊ में तथा दक्षिणी जापान में भी समुद्र में सुनामी की छोटी लहरें उठीं

फिलीपीन में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हुई

» मनीला, भाषा।

दक्षिणी फिलीपीन के एक प्रांत में सोमवार को आए 7.8 तीव्रता के भूकंप के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 17 लोग मारे गए। इसी के साथ इस क्षेत्र में भूकंप से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 32 हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सारंगानी प्रांत के आपदा प्रबंधन अधिकारी रेने पुंजालन ने डीजेडबीबी रेडियो नेटवर्क को बताया कि ग्लान के पहाड़ी कस्बे में भूकंप के कारण हुए भूस्खलन की चपेट में कई घर आ गए और इस हादसे में 13 ग्रामीणों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सारंगानी में चार अन्य ग्रामीणों की मौत के कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। अधिकारी ने बताया कि इसी के साथ इस साल फिलीपीन द्वीपसमूह में आए सबसे शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 32 हो गई है।

भूकंप के कारण दक्षिणी फिलीपीन में छोटी इमारतें ढह गई और सुनामी की छोटी लहरें उठीं। इंडोनेशिया, पलाऊ और दक्षिणी जापान तक इन सुनामी लहरों का असर देखा गया। जनरल सैंटोस शहर में कुछ इमारतें ढह गई और प्रमुख बुनियादी ढांचे को भूकंप से नुकसान पहुंचा। वहीं, समुद्र तट से सटे एक गांव में सुनामी से नुकसान की खबर मिली। इंडोनेशिया और पलाऊ में तथा दक्षिणी जापान में भी समुद्र में सुनामी की छोटी लहरें उठीं। फिलीपीन ज्वालामुखी एवं भूकंप विज्ञान संस्थान के निदेशक टेरेसिटो बाकोलकोल ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया, यह भीषण भूकंप था और हमें नुकसान का अंदेशा था। उन्होंने लोगों को चेतावनी दी कि वे अपने क्षतिग्रस्त मकानों में लौटने से पहले परामर्श कर लें क्योंकि भूकंप के बाद के झटके आने का संदेह है। नागरिक सुरक्षा कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक रॉड सॉसमेना ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, हमारी पिकअप ट्रक में अचानक झटका लगा और मुझे लगा कि टायर पंचर हो गया है। सॉसमेना ने बताया, भूकंप के झटके बहुत जोरदार थे और लोग अपने अपने घरों से निकलकर सड़कों पर आ गए

थे। एक अन्य आपदा-प्रतिक्रिया अधिकारी एडनार दयांगहिरंग ने बताया, भूकंप के झटके इतने जोरदार थे कि मैं मुश्किल से खड़ा हो पाया और दावो स्थित अपने घर से किसी तरह बाहर निकल पाया। भूकंप से जनरल सैंटोस को काफी नुकसान पहुंचा है। करीब सात लाख से अधिक लोगों की आबादी वाला यह बंदरगाह शहर देश के दक्षिणी मिंडानाओ क्षेत्र में टूना (मछली) प्रसंस्करण और अन्य व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र है। बाकोलकोल के अनुसार, इस वर्ष फिलीपीन में आए सबसे शक्तिशाली भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के तट से दूर समुद्र में 33 किलोमीटर की गहराई पर था, जो सारंगानी प्रांत के मासिम शहर से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा, देश की सरकार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी है और हम मिंडानाओ के लोगों के साथ हैं। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र (पीटीडब्ल्यूसी) ने बताया कि भूकंप के इतने समय बीत जाने के बाद अब सुनामी का खतरा लगभग टल गया है। अधिकारियों ने बताया कि जाम्बोआंगा डेल सुर के एक तटीय गांव में भूकंप और ऊंची लहरों के कारण छह झोपड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। नागरिक सुरक्षा कार्यालय के प्रवक्ता जुनी कैस्टिलो ने विशिष्ट विवरण दिए बिना कहा कि कम से कम 19 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकतर की मौत इमारतों के ढहने और भूस्खलन की चपेट में आने के कारण हुई, जबकि हजारों ग्रामीण विस्थापित हो गए। सॉसमेना ने कहा कि भूकंप के कारण जनरल सैंटोस में कम से कम सात लोगों के मरने और करीब 130 अन्य के घायल होने की सूचना है, जहां कुछ इमारतें आंशिक रूप से ढह गई और एक महत्वपूर्ण पुल सहित कुछ ढांचों में दरारें पड़ गई हैं। सॉसमेना और एक अन्य आपदा-प्रतिक्रिया अधिकारी एडनार दयांगहिरंग ने बताया कि दक्षिणी प्रांतों - दक्षिण कोटाबाटो और दावो ऑक्सिडेंटल तथा बलुत द्वीप पर मलबा गिरने, एक मस्जिद के क्षतिग्रस्त होने और भूस्खलन के कारण अन्य लोगों की मौत हुई। सॉसमेना ने कहा कि जनरल सैंटोस में ढह गई दो मंजिला इमारत में कुछ छात्रों के फंसे होने की खबरों की अधिकारी जांच कर रहे हैं। उन्होंने तुरंत विस्तृत जानकारी नहीं दी, लेकिन राष्ट्रीय पुलिस ने बताया कि जनरल सैंटोस में कम से कम 12 लोग लापता हैं। दमकल विभाग ने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि वह जनरल सैंटोस में एक क्षतिग्रस्त इमारत और एक गोदाम में खोज और बचाव कार्यों में शामिल था।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com